Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 85 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये रायपुर, मंगलवार 20 मई 2025 www.samaydarshan.in

बीते डेढ़ साल में हमने जनता के लिए काम किया,इसलिए जनता के बीच जा रहे:मुख्यमंत्री

जो सरकार अच्छा काम करती है वह आम जनता के बीच जाने से नहीं कतराती:मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से जान रहे योजनाओं की हकीकत

बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक के ग्राम आमागोहन में उतरा मुख्यमंत्री का उड़नखटोला, समाधान शिविर में हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। सुशासन तिहार के अंतर्गत ुख्यमंत्री विष्णु देव साय का उड़न खटोला बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम आमागोहन में उतरा। वनांचल के आदिवासी ग्राम में मुख्यमंत्री श्री साय को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह और खुशी का माहौल था। वे चिलचिलाती धूप की परवाह किए बगैर अपने राज्य के मुखिया को एक झलक देखने और उन्हें सुनने के लिए घण्टो डटे रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में जहाँ ग्रामीणों से संवाद किया वहीं मुख्यमंत्री ने समाधान पेटी में डाले गए आवेदनों की निराकरण की स्थिति भी जानी। उन्होंने सुशासन तिहार की सार्थकता को बताते हुए कहा कि आज सुशासन तिहार के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सरकार आपके गाँव में आई है। हमने बीते डेढ़ वर्षों में राज्य के लोगों के हित में कार्य किया है। जो सरकार अच्छा काम करती है उनकी ही हिम्मत होती है जनता के बीच जाने की। सुशासन तिहार एक तरह से हमारा रिपोर्ट कार्ड भी है और हमारी सरकार के द्वारा किए गए कार्यों का आंकलन करने का अवसर भी। इसके माध्यम से सरकार योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति भी जान रही है।

सुशासन तिहार के तीसरे चरण के तहत बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक के अंतर्गत दूरस्थ आदिवासी ग्राम आमागोहन के समाधान शिविर में मुख्यमंत्री श्री साय शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से राज्य में हमारी सरकार बनी और डेढ़ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में लोकसभा,नगरीय निकाय,नगर पंचायत में हमारी सरकार बनी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए सभी वादों को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने शपथ लेते ही अगले दिन से 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने दुर्ग और अम्बिकापुर में भी राज्यवासियों को 3-3 लाख पीएम आवास दिये। इसके अलावा पीएम जनमन आवास और नक्सल क्षेत्रों में आत्म समर्पित परिवारों को आवास दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवास प्लस में जिनका नाम है उनको भी आवास दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसानों का वादा पूरा कर 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का निर्णय लिया। दो वर्ष से बकाया धान बोनस राशि भी दी। उन्होंने कहा कि 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वन्दन योजना की राशि उनके खाते में देकर आर्थिक समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का द्वार खोला। जिनका नाम छूट गया है उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है,आने वाले दिनों में छूटे हुए हितग्राहियों का नाम भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले हितग्राहियों के हित में निर्णय लेते हुए प्रति मानक बोरा की राशि 4 हजार से 5500 रुपये किया गया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रामलला दर्शन योजना प्रारंभ कर हितग्राहियों को रामलला का दर्शन कराया है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने बड़े-बुजुर्गों की इच्छाओं को पूरा करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को प्रारंभ किया है। इस योजना से तीर्थ यात्रा के इच्छुक परिवार अन्य तीर्थ स्थल का लाभ उठा पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ की है। इस योजना से सभी ग्राम पंचायत जुड़ेंगे और ग्रामीणों को गाँव में ही बैंक जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्र में किसी भी योजना के हितग्राहियों को राशि निकालने में सुविधा होगी। वही जाति, निवास सहित अन्य दस्तावेज भी मिल पाएंगे। अभी 1460 पंचायत में यह प्रारंभ की गई है। इससे ग्रामीणों को बैंक तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के साथ कार्यवाही भी कर रही है। उन्होंने बताया कि जमीन की रजिस्ट्री के साथ सरकार ने नामांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इससे कोई अधिकारी नामान्तरण के नाम पर किसी को घुमा नहीं पायेगा। एक घण्टे से कम समय में नामांतरण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी को पूरा करने वाली यह सरकार सुशासन की दिशा में कार्य कर रही है।

एनआईए का बड़ा एक्शन : पंजाब में बब्बर खालसा के 15 ठिकानों पर छापेमारी, आतंकी नेटवर्क से जुड़े सबूत जब्त

अमृतसर (एजेंसी)। प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पंजाब के चार जिलों में स्थित 15 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पैशन और अमेरिका समेत विभिन्न देशों में सक्रिय क्च्यद्व के कार्यकर्ताओं के नेटवर्क के विरुद्ध की गई।

ग्रेनेड हमले के तार विदेशों से जुड़े

एनआईए की यह कार्रवाई पंजाब के गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला जिलों में की गई। यह छापेमारी विशेष रूप से गुरदासपुर जिले के एक पुलिस स्टेशन पर दिसंबर 2023 में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के सिलसिले में की गई, जिसकी योजना पाकिस्तान स्थित खालिस्तानी आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा द्वारा रची गई थी। रिंदा का करीबी सहयोगी हैप्पी पैशन, इस हमले का प्रमुख मास्टरमाइंड माना जा रहा है। एनआईए के अनुसार, इस ग्रेनेड हमले की योजना हैप्पी ने अपने सहयोगी शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी और अन्य साथियों के साथ मिलकर बनाई थी। पहले से गिरफ्तार आरोपी शमशेर की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह नेटवर्क विदेश से संचालित हो रहा था और भारत में स्थित एजेंटों के माध्यम से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। एजेंसी ने छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, संदिग्ध दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है।

सरकार ने बांग्लादेशी सामानों पर नए प्रतिबंध लगाए:भारत के कपड़ा मार्केट को फायदा

बांग्लादेश का ट्रेड घटेगा; हजारों वर्कर्स की नौकरियां खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओर से लगाए गए आयात प्रतिबंधों से बांग्लादेश का भारत के लिए 2 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट मार्केट 15-20 प्रतिशत तक कम हो सकता है।

भारत ने बांग्लादेश से होने वाले आयात पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इस कदम से बांग्लादेश की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ने की संभावना है।

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (ष्ठत्नस्न्रञ्ज) ने 17 मई को इसकी घोषणा की। इस कदम को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव और बांग्लादेश की हालिया नीतियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

भारत ने बांग्लादेश से कई उपभोक्ता सामानों के आयात पर लैंड बॉर्डर के माध्यम से रोक लगा दी है। इनमें शामिल हैं: शर्ट, पैंट, टी-शर्ट जैसे रेडीमेड गारमेंट्स, बिस्किट, चिप्स, कनफेक्शनरी, स्नैक्स प्रोसेस्ड फूड आइटम, कार्बोनेटेड और एनर्जी ड्रिंक्स, बाल्टी, खिलौने, कुर्सियां जैसे प्लास्टिक उत्पाद, कॉटन वेस्ट और इंडस्ट्रियल ग्रेड कॉटन बाय प्रोडक्ट, सोफा, बेड, टेबल, कुर्सियां जैसे लकड़ी के फर्नीचर ये सामान अब नॉर्थ-ईस्ट (असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम) और पश्चिम बंगाल के लैंड कस्टम स्टेशनों या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट्स जैसे पेट्रापोल (पश्चिम बंगाल), सुतरकंडी (असम), या डॉकी (मेघालय) जैसे लैंड पोर्ट्स के माध्यम से भारत में प्रवेश नहीं कर सकते। इसके बजाय, बांग्लादेश को मुंबई के नवा शेवा पोर्ट या कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के माध्यम से समुद्री रास्ते का उपयोग करना होगा।

हालांकि, कुछ आवश्यक वस्तुओं जैसे मछली और समुद्री भोजन, एडिबल ऑयल और क्रस्ट स्टोन पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। साथ ही, नेपाल और भूटान को बांग्लादेश के माध्यम से भेजे जाने वाले सामान पर भी कोई रोक नहीं लगाई गई है, क्योंकि भारत इन देशों के साथ फ्रेंडली रिलेशन बनाए रखना चाहता है। यह कदम बांग्लादेश की हालिया व्यापार नीतियों के जवाब में देखा जा रहा है। अप्रैल 2025 में, बांग्लादेश ने भारतीय यार्न (धागा) आयात पर लैंड पोर्ट्स के माध्यम से प्रतिबंध लगाए और बेनापोल-पेट्रापोल चेकपोस्ट पर भारतीय ट्रकों के लिए कस्टम क्लियरेंस में लगने वाला समय बढ़ाकर नॉन-टैरिफ बैरियर्स क्रिएट किए। इनका उद्देश्य भारतीय उत्पादों को बांग्लादेश में प्रवेश करने से रोकना था। इसके अलावा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के भारत-विरोधी बयान, खासकर नॉर्थ-ईस्ट को लेकर चीन में दिए बयान ने भारत को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

भारत के सात राज्य... भारत के पूर्वी हिस्से... जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है, ये भारत के लैंडलॉक्ड क्षेत्र हैं। समंदर तक उनकी पहुंच का कोई रास्ता नहीं है।

भाजपा ने सिंदूर का सौदा किया- कांग्रेस

जयशंकर ने हमले से पहले पाकिस्तान को बताया, ये पाप है; केंद्र बोला- ये सरासर गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने भाजपा को 'सिंदूर का सौदागर' कहा। उन्होंने कहा कि ट्रम्प दावा करते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाया। भारत को व्यापार बंद करने की धमकी दी। यानी सिंदूर का सौदा होता रहा और पीएम चुप रहे।

इसके साथ ही खेड़ा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से राहुल गांधी के सवाल दोहराए। उन्होंने कहा- विदेश मंत्री ने स्वीकारा है कि उन्होंने एयर स्ट्राइक से पहले पाकिस्तान को जानकारी दे दी थी। अब सरकार बताए, इस वजह से हमने कितने विमान गंवाए। ये कोई गलती नहीं थी, ये एक अपराध था, पाप था। देश का सच्चाई जानने का हक है।

इधर, राहुल के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा, 'विदेश मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन की शुरुआत में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। इसे अब ऐसे पेश किया जा रहा है, जैसे ऑपरेशन से पहले उन्हें जानकारी दी गई हो। तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। हम इसका विरोध करते हैं।'

पवन खेड़ा ने कहा कि जनता पार्टी, जनसंघ ने मिलकर मोरारजी देसाई (1977-79) को प्रधानमंत्री बनाया था। ये रिकॉर्डेड हिस्ट्री है, हवाबाजी या वॉट्सएप यूनिवर्सिटी की बात नहीं है। मोरारजी देसाई ने जिया-उल-हक (पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति) को फोन पर कहा कि हमें क्रड्ड ने बताया है कि आपकी कहूटा में क्या न्यूक्लियर तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में हमारा जो इन्फ्रास्ट्रक्चर था, हमारे जो कैंप्स थे, मोरारजी ने सारा डिटेल जिया-उल-हक को बता दिया।

वोडाफोन, एयरटेल, टाटा टेलीसर्विसेज को अदालत से झटका

एजीआर बकाया की माफी से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों वोडाफोन, एयरटेल और टाटा टेलीसर्विसेज की ओर से दाखिल समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया माफ करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने याचिकाओं को गलत धारणा वाला बताया। वोडाफोन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से पीठ ने कहा, हमारे समक्ष आई इन याचिकाओं से हम सचमुच स्तब्ध हैं। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऐसी अपेक्षा नहीं की जाती। हम इसे खारिज करेंगे। शीर्ष अदालत ने दूरसंचार कम्पनियों की मदद करने की सरकार की इच्छा के आड़े आने से इनकार कर दिया। वोडाफोन ने अपने एजीआर बकाये के ब्याज, जुर्माने और दंड घटकों पर ब्याज के रूप में लगभग 30,000 करोड़ रुपये की छूट मांगी है। रोहतगी ने पहले कहा था कि दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता फर्म का अस्तित्व बचे रहना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में बकाया ब्याज के इक्विटी रूपांतरण के बाद अब केंद्र के पास कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी की याचिका में कहा गया है, वर्तमान रिट याचिका में फैसले की समीक्षा की मांग नहीं की गई है, बल्कि फैसले के तहत ब्याज, जुर्माना और जुर्माने के ब्याज के भुगतान की कठोरता से छूट मांगी गई है। इसलिए, याचिकाकर्ता ने केंद्र को निष्पक्ष और सार्वजनिक हित में कार्य करने और एजीआर बकाया पर ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के भुगतान पर जोर न देने के लिए उचित निर्देश देने की मांग की।

श्रीलंकाई तमिल नागरिक ने शरण मांगी, कभी आतंकी संगठन लिट्टे से जुड़ा था

भारत धर्मशाला नहीं: जो हर किसी को शरण दे-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई शरणार्थी से जुड़े एक मामले में सोमवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी श्रीलंकाई तमिल नागरिक की शरण याचिका खारिज करते हुए की।

दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को,क्क मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की तरफसे आर. सुधाकरन, एस. प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में दलील दी। यह केस एक श्रीलंकाई तमिल नागरिक का है, जिसे 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफतमिल ईलम (स्रञ्जञ्जश्व) से जुड़े होने के शक में तमिलनाडु पुलिस की क्त ब्रांच ने दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया था।

LTTE पहले श्रीलंका में सक्रिय एक आतंकी संगठन था। 2018 में एक निचली अदालत ने याचिकाकर्ता को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत 10 साल की सजा सुनाई थी। 2022 में मद्रास हाई कोर्ट ने सजा को सात साल कर दिया और कहा कि सजा पूरी होने के बाद उसे देश छोड़ना होगा और निर्वासन से पहले शरणार्थी कैंप में रहना होगा।

याचिकाकर्ता श्रीलंका में वांटेड व्यक्ति घोषित

याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह वीजा लेकर भारत आया है। श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बसे हैं, और वह तीन साल से हिरासत में है, लेकिन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 2009 में श्रीलंकाई युद्ध में स्रञ्जञ्जश्व के सदस्य के रूप में लड़ा था, इसलिए श्रीलंका में उसे 'ब्लैक-गजटेड' (वांटेड) घोषित किया गया है। अगर उसे वापस भेजा गया, तो उसे गिरफ्तारी और यातना का सामना करना पड़ सकता है। उसने यह भी कहा कि उसकी पत्नी कई बीमारियों से पीड़ित है और उसका बेटा जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के डिपोर्टेशन में भी हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

शाही जामा मस्जिद विवाद : हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की अर्जी खारिज की, संभल कोर्ट में जारी रहेगा सर्वे मामला

प्रयागराज(एजेंसी)। शाही जामा मस्जिद, संभल से जुड़े विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मस्जिद प्रबंधन समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ ही अब यह स्पष्ट हो गया है कि संभल की जिला अदालत में चल रही सर्वे संबंधी कार्यवाही जारी रहेगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया। 13 मई को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 19 नवंबर 2024 को उस समय शुरू हुआ जब कुछ याचिकाकर्ताओं ने संभल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया कि मस्जिद का निर्माण 1526 में एक प्राचीन हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया था, जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार 'कल्कि' को समर्पित था। अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था।

'ऑपरेशन सिंदूर अभी बाकी है', स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाने की पाकिस्तानी साजिश पर बोले मेजर

पाकिस्तान को कड़ा और माकूल जवाब देगा भारत

अमृतसर (एजेंसी)। 15 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने सोमवार को पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने पड़ोसी देश से किसी भी तरह के दुस्साहस से बचने का आग्रह किया और अगर उनकी ओर से कोई दुस्साहस हुआ तो जवाब कड़ा होगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल रोका गया है। यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

मेजर जनरल शेषाद्रि ने एएनआई को बताया, 'याद रहे ऑपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, यह खत्म नहीं हुआ। उसका विकराल रूप अभी बाकी है।' उन्होंने तर्क दिया कि भारत की निर्णायक जीत के बाद दूसरे पक्ष को किसी भी तरह के दुस्साहस से बचना चाहिए। सशस्त्र बलों को पाकिस्तानी सेना की कमियों, मजबूरियों समेत तमाम फैक्टर्स के बारे में पता है।

मेजर जनरल ने जोर देकर कहा कि अगर हालात बिगड़े तो भारत पाकिस्तान को कड़ा और माकूल जवाब देगा। भारत की सैन्य क्षमताएं सैन्य उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर के हिस्से के रूप में हमने एक जोरदार और निर्णायक जीत हासिल की है। इससे पाकिस्तानी सेना को आगे कोई भी दुस्साहस करने से बचना चाहिए।

भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तानी सेना की कमियों से अच्छी तरह वाकिफ

शेषाद्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तानी सेना की कमियों से अच्छी तरह वाकिफहैं। अगर पाकिस्तानी सेना कोई दुस्साहस करने की कोशिश करती है, तो वह अपने आप को पूरी तरह से खतरे में डाल देगी। आधुनिक हथियारों और बेहतर लड़ाकू क्षमताओं के साथ हम अगली बार उसे विनाशकारी जवाब देंगे।

अगर जरूरत पड़ी तो दुश्मनों का खात्मा सुनिश्चित करेंगे। भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के दुस्साहस को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेना ने सोमवार को एक डेमो दिखाया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन सहित भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाया।

संक्षिप्त समाचार

साल्हेझरिया मे तिरंगा यात्रा का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय साल्हेझरिया में प्रात: 9:00बजे से शाला प्रांगण से ग्राम पंचायत साल्हेझरिया की सभी वार्ड अटल चौक तक आपरेशन सिन्दूर की विजय के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शाला के सभी शिक्षकगण, ग्राम पंचायत साल्हेझरिया सरपंच हेमलता तुलाराम बारीक ,योगेश साहू, पूर्व सरपंच गनपत चौहान, पार्वती चौहान पंच लक्ष्मण रात्रे, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता चौहान, सहायिका रुकमणी यादव ,शाला सफाई कर्मचारी एवं ग्रामीण सभी की उपस्थिति में प्रधान पाठक अन्नपूर्णा बुड़ेक एवं सत्यभामा कुमार के द्वारा कार्यक्रम के प्रथम सत्र मे योग प्राणायाम की शुरुआत की गयी। योग प्राणायाम शारिरीक शिक्षा पश्चात गाजे बाजे के साथ ग्राम का भ्रमण किया गया ।ग्राम के लोगों को देश प्रेम के प्रति प्रेरित करते देश भक्ति गीतों व जयघोष के साथ ग्राम का भ्रमण किया गया । इस अवसर पर पुरंदर डड़सेना शिक्षक उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा आपरेशन सिन्दूर, तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी। ग्राम के पंच सरपंच व स्कूल स्टाफ की उपस्थिति मे तिरंगा यात्रा संपन्न हुआ।

अतिक्रमण हटाने में स्वास्थ्य विभाग, पंचायत और राजस्व विभाग हो है असहाय, पाटन ब्लॉक के तरीघाट का मामला

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम तरीघाट में

अतिक्रमण का मामला एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। यहां पर 6 बिस्तर शासकीय अस्पताल के सामने गांव के दो लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। इससे अस्पताल की सुंदरता पर ग्रहण तो लगा ही है वही मरीजों को अस्पताल जाने के लिए दूसरे रास्ता का उपयोग करना पड़ता है। जबकि अस्पताल के सामने से अतिक्रमण हटाया जाएगा तो मरीजों के साथ आम जनता को राहत मिलेगी।

ग्राम तरीघाट में लगातार अतिक्रमण का मामला सामने आ रहा है। पूर्व सरपंच अशोक साहू ने कई बार इसकी शिकायत राजस्व विभाग से किया गया। जिसके बाद जांच भी हुई। मामला कोर्ट तक भी पहुंचा। वहीं पूर्व सरपंच अशोक साहू ने बताया के उनके द्वारा अतिक्रमण हटवाने प्रयास किया गया तो उल्टा उसके ही जमीन को राजस्व विभाग ने नपवा दिया। जिसके बाद गांव में और आक्रोश बढ़ गया। ग्रामीणों ने मांग किया है कि अस्पताल के आसपास जो अतिक्रमण हुआ है उसे जनहित को देखते हुए तत्काल हटाया जाए। तरीघाट में अस्पताल के आसपास अतिक्रमण होने से काफी परेशानी बढ़ गई है। इस अतिक्रमण को हटाने में स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग का पसीना छूट गया है । शिकायत करते-करते तात्कालिक सरपंच अशोक साहू का कार्यकाल भी समाप्त हो गया लेकिन अभी तक अतिक्रमण नहीं हट पाया।

बिना अनुमति दुकान में तोड़फोड़ कर रहे दुकानदार

ग्राम पंचायत सोमनी का मामला

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सोमनी में व्यवसायिक परिसर की दुकानों को तोड़ फोड़कर अपनी मर्जी से मरम्मत कराने का खेल चल रहा है। कई दुकानदारों ने बिना अनुमति के ही अपनी दुकानें बढ़ा ली है। यह खेल वर्तमान में भी जाती है। हालांकि इस बार दुकानदारों की इस मनमानी को रोकने ग्राम पंचायत द्वारा एक्शन लिया गया है। बस स्टैंड से फरहद रोड किनारे स्थित कॉम्प्लेक्स की दो दुकान को बिना अनुमति तोड़ने के मामले में सरपंच नीलिमा साहू ने होटल संचालक कुमार यादव को नोटिस भेजा है, जिसमें सरपंच ने होटल संचालक से अनुमति लेने की जानकारी मांगी है। बता दें कि सोमनी में स्कूल की बाउंड्रीवाल से लगकर करीब 25 दुकानें बनी है। कॉम्प्लेक्स का निर्माण पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा ही कराया गया है। कॉम्प्लेक्स की दुकानें जिन्हें अलॉट की गई है, उनमें से कई लोगों ने दुकानें बेच तक दी है। इसके बाद से लोग यहां अपनी मर्जी से ही दुकानों में तोड़फोड़ कर अपने हिसाब से नवनिर्माण कर रहे है। वर्तमान में यहां कुमार होटल के संचालक को पंचायत ने नोटिस दिया है। बताया जा रहा है कि होटल संचालक ने अपनी दुकान के जीर्णोद्धार के लिए पंचायत से अनुमति तक नहीं ली है। स्कूल की जगह बताकर मनमानी की जा रही है। इससे पहले भी पूर्व सरपंच संतोष यादव के कार्यकाल में इसी लाइन की चार दुकानों का नवनिर्माण बगैर किसी अनुमति लिए की गई है। बड़ी बात तो यह है कि ये चारों दुकानें एक ही व्यक्ति द्वारा खरीदी गई है। सवाल यह है कि एक ही व्यक्ति को चार दुकानें किस नियम के अंतर्गत दी गई। पंचायत द्वारा पूर्व में इस पर आपत्ति क्यों नहीं की। सूत्रों की माने तो एक ही व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी तरह की कार्रवाई नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने इस मामले में लेन देन का आरोप तक लगाया है।

बाहरी लोगों को मिला लाभ

सोमनी में व्यवसायिक परिसर की ज्यादातर दुकानें बाहरी लोगों को ही बांटी गई है। या फिर पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने करीबी लोगों और रिश्तेदारों को दुकानें आबंटित कर दी है। यही मेन वजह है कि ज्यादातर दुकानें किराए में चल रही है। सांकरा मोड में बनी दुकानों को भी तात्कालीन सरपंच व पंचों ने अपने रिश्तेदार और करीबी लोगों को बांट दिया है।

पहले भी करा चूके नवनिर्माण

कुमार होटल को नोटिस भेजने के बाद यहां निर्माण बंद है। इससे पहले भी कई दुकानों को लोग मरम्मत कराने के नाम से तोड़ फोड़कर चुके है, जबकि इसके लिए पंचायत को कार्रवाई करनी चाहिए थी। पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसी अनदेखी के कारण पूर्व सरपंच के कार्यकाल में कई लोग पंचायत की दुकानों को बेच तक दिए है। गांव के युवा पूर्व में हुई गड़बड़ी की जांच के लिए जिला प्रशासन से शिकायत करने की तैयारी में हैं।

राज्य के 21 शिक्षक संगठन हुए एक, सभी ने मिलकर बनाया साझा मंच

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश में शिक्षा विभाग से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है। राज्य के 21 शिक्षक संगठनो ने मिलकर एक साझा मंच बनाया है, जिनकी अब तक दो बार बैठक संपन्न हो चुकी है। पहली ऑफ लाइन बैठक राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित राजपत्रित अधिकारी-कर्मचारी संगठन के कार्यालय में 14 मई को हुई थी, जबकि दूसरी बैठक विगत 16 मई को आनलाइन संपन्न हुई। जिसमें सभी 21 शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। सभी ने मिलकर एक स्वर में यह तय किया था कि आगामी सोमवार 19 मई को युक्त युक्तिकरण रद्द करने, सोना साहू के तर्ज पर प्रदेश के सभी पात्र शिक्षकों को एरियर्स सहित क्रमोन्नति वेतनमान देने के लिए जनरल आर्डर जारी करने, प्रथम सेवा गणना कर पेंशन सहित समस्त लाभ एवं प्राचार्य पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता समाप्त कर डीएड-बीएड प्रशिक्षित दोनों को शामिल करने सहित अन्य मांगों को लेकर सहमति बनी थी, परंतु किसी अपरिहार्य कारणों से 19 तारीख सोमवार को ज्ञापन देने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। सभी संगठनों ने आपस में बातचीत कर यह तय किया है कि उक्त ज्ञापन अब 20 मई मंगलवार को मंत्रालय में दिया जाएगा। इसके लिए सभी संगठन आगामी 20 मई मंगलवार को सुबह 11 बजे तक मंत्रालय महानदी भवन परिसर में एकत्रित होंगे। यह जानकारी सभी 21 संगठनों के प्रांत अध्यक्षों मनीष मिश्रा, केदार जैन, विकास राजपूत, कृष्ण कुमार नवरंग, राजनारायण द्विवेदी, जाकेश साहू, भूपेंद्र बनाफर, शंकर साहू, भूपेंद्र गिलहरे, चेतन बघेल, गिरीश केशकर, लैलूंन भरतद्वाज, प्रदीप पांडे, प्रदीप लहरे, राजकिशोर तिवारी, कमल दास मुरचले, प्रीतम कोशले, विक्रम राय, विष्णु प्रसाद साहू आदि ने साझा मंच द्वारा संयुक्त बयान जारी कर दी है।

भारत में महिलाओं को शक्त बनाना नारा नही बल्कि जमीन पर बदलाव लाने की प्रक्रिया - बालेश्वर साहू

बिर्रा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह विकासखंड के ग्राम सिलादेही में एक दिवसीय बूटकैंप का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र विधायक बालेश्वर साहू अध्यक्षता सरपंच संतोषी राजकुमार पटेल उपस्थित हुये। विधायक साहू ने कहा कि भारत में महिलाओं को शक्त बनाना सिर्फएक नारा नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव लाने प्रक्रिया है। कांग्रेस पार्टी ने महिला सशक्तिकरण को अपनू प्रमुख एजेंडे में शामिल किया है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा स्वास्थ्य राजनीति और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में पार्टी ने कई पहल की है। वही सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार पटेल ने कहा गांव गांव में महिला नेतृत्व को आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है, महिलाएं अब न सिर्फअपने परिवार की बल्कि पूरे समाज की आवाज बन रही हैं।यह बदलाव केवल निति तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के जीवन में असली बदलाव ला रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित रामराज्य पांडेय पूर्वअध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस , इंदिरा फेलो निर्मला बरेठ,शक्ति कल्ब अध्यक्ष यामिनी महंत, सरपंच सोनाईडीह संतन महंत, संजू साहू, भूपेन्द्र साहू, नीरा पटेल, वंदना पंकज, पार्वती पंकज सहित बड़ी संख्या में महिलाएं बूट कैंप मे शामिल हुई।

गणित के माध्यम से अध्यात्म की शिक्षा

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में समर कैंप

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में समर कैंप के द्वितीय व दिवस पर भिन्न-भिन्न विद्यालय से अपने रंग बिरंगी स्कूली परिधान में आए हुए बच्चों को मन की शक्ति व एकाग्रता के विषय गणित के माध्यम से आध्यात्मिक शिक्षा दी गयी तथा मन की शक्ति व एकाग्रता का महत्व बताया गया खुशबू दीदी ने बताया जब हम किसी अच्छे कार्य करने के लिए सोचते हैं और उसे करते हैं तो उसका परिणाम हमेशा प्लस प्लस ही होगा और यदि हम किसी अच्छे कार्य के लिए सोचते हैं और उसे नहीं करते तो उसका परिणाम माइनस होगा । मन के विषय में आपने बोलते हुए कहा कि मन हमारा बहुत अच्छा मित्र मन को शक्तिशाली बनाने की विधि बताते हुए आपने कहा कि जब विद्यार्थी अपना ध्यान मोबाइल में ज्यादा लगाने लगता है तो मन की एकाग्रता शक्ति कम होने लगती है मोबाइल का उतना ही उपयोग करें जितनी पढ़ाई में आवश्यकता है जब हम रील्स या शार्ट्स देखने लगते हैं तो समय का पता ही नहीं चलता कितना समय हमारा वेस्ट हो गया उस समय मन हमारी बात नहीं सुन रहा है इसका अर्थ है कि हम मन के अधीन है हमें मन को अच्छा मित्र बनना है जो हमारी हर बात माने । तृतीय दिवस पर विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसका विषय देशभक्ति, आध्यात्मिकता व पर्यावरण था। बतौर अतिथि पूजा ठक्कर (डाईंग टीचर व आर्टिस्ट) ने विद्यार्थियों को ड्राइंग का विषय स्पष्ट किया ।

इसके साथ ही आज बताया गया जीवन में नैतिक मूल्यों का कितना महत्व है। नैतिक मूल्य से हमारे व्यक्तित्व में क्या निखार आता है इस विषय पर भुनेश्वरी दीदी ने बताया सहनशक्ति का जीवन में क्या महत्व है जब एक साधारण मूर्ति छीनी हथौड़ी के अंतिम प्रहार को सहन करते हुए पूज्यनी मूर्ति बन जाती है जिसके दर्शन मात्र से मन इच्छित कामना पूर्ण हो जाती है। यदि हम किसी एक गुण को जीवन में अंत तक धारण करेंगे तो हमारा जीवन भी पूज्यनी हो जाएगा। जो भी महान पुरुष इस दुनिया में होकर गए है स्वामी विवेकानंद,दयानंद आर्य बुद्ध,महात्मा गांधी इनका जीवन आज भी अनेकों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

अजय कोचिंग क्लासेस ठेलका में अंजली मनहरे ने मारी बाजी

साजा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया । इसमें अजय कोचिंग क्लासेस ठेलका के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर दिखाया। सभी पालकों ने संस्था की तारीफे भी की। बारहवीं कक्षा में अंजली मनहरे पिता अशोक मनहरे ने 85.2 प्रतिशत प्रथम, अनमोल साहू पिता घनश्याम साहू एवं कोमल पिता चंद्रकुमार दोनों विद्यार्थी ने 77.6 प्रतिशत द्वितीय स्थान, अयाषु साहू पिता द्वारिका साहू ने 75 प्रतिशत तृतीय स्थान, पूजा पटेल पिता छत्रपाल पटेल ने 72.6 प्रतिशत चतुर्थ स्थान, उर्वशी साहू पिता लक्ष्मण साहू ने 65 प्रतिशत पांचवां एवं सुनील पिता दिलीप निर्मलकर ने 58 प्रतिशत अंक लेकर छठवां स्थान पर रहे। इस अवसर पर शिक्षक अश्वन साहू ने छात्र-छात्राओं की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि परिश्रम सफलता की कुंजी है। शिक्षा हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। सभी विद्यार्थी आत्मविश्वास एवं ईमानदारी पूर्वक पढ़ाई करें तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। इस दौरान संस्था के संचालक अजय साहू ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

आईएएस अधिकारी पर किसका दबाव

करोड़ों का घपला, हजारों का भविष्य अधर में

बिलासपुर (समय दर्शन)। एक अपंजीकृत समिति का अनुसांगिक संगठन जो पंजीकृत है और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में कार्य करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य से न केवल खिलवाड़ करता है। साथ ही वित्तीय अनियमितता और अघोषित रूप से धर्मांतरण के आरोपो से घिरा है। इतने सबके बाद भी इसके पास ऐसा कौन ऐसा जादू है कि मंत्रालय के आईएएस भी उनके सामने नतमस्तक है।

गौरतलब है कि फर्म एवं सोसाइटी में पंजीकृत जितने भी संस्थाएं होती हैं उनका पूरा संवैधानिक नियंत्रण और नियमो का पालन करवाने की जिम्मेदारी फर्म एवं संस्थान छत्तीसगढ़ शासन की होती है। संस्थाओ से संबंधित किसी भी प्रकार के असंवैधानिक कार्य के कृत पर सोसायटी को अधिकार होता है कि वह विधवत जाँच करें और शिकायत सही पए जाने पर समिति को भंग करें और तब तक के लिए उस पर शासकीय प्रशासक बैठाने का पूर्ण अधिकार होता है। परंतु घोर आश्चर्य का विषय यह है कि पिछले 12 वर्षो से लगातार छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन चर्च ऑफनार्थ इंडिया के द्वारा किए जा रहे हैं। असंवैधानिक कार्य व आर्थिक अपराध किए जाने के बावजूद आज तक फर्म एवं संस्थान ने कोई कार्यवाही क्यों नहीं किया? जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर द्वारा 2016 में समिति के एक स्कूल द्वारा पांच सालों में स्कूल के सोशल मनी को अपने बोर्ड एवं धार्मिक संस्था को 1 करोड़ से अधिक राशि अवैध तरीके से हस्तांतरित किया गया, ये सिर्फएक स्कूल का मामला है, बाद में बाकी स्कूलों से भी करोड़ो रूपये के वसूली व गबन का मामला मिला। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपनी जांच में कहा कि शिकायत सही पाई गई है, परन्तु अपना पलड़ा झाड़ते हुवे लिखा कि आगे की कार्यवाही फर्म एवं संस्थान रायपुर करेगी परन्तु कोई कार्यवाही फर्म एवं संस्थान नही किया जबकि तुरन्त समिति को भंग कर दिया जाना था, प्रश्न यह है क्या कोई लेनदेन से मामले को दबाया गया ? जिससे प्रेरित होकर ही अपराध व अवैध कार्य किये जाने के हौसले पदाधिकारियों के बुलन्द है? पूर्व में भी इस पंजीकृत समिति के अवैध कार्यो की शिकायत समाज के कई सदस्यों के द्वारा लगातार की जाता रहा है यहां तक की माननीय उच्च न्यायालय में भी इसकी शिकायत की गई थी जिस पर माननीय उच्च न्यालय ने पुन: फर्म सोसायटी द्वारा विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया था परन्तु जांच की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन को जांच समिति रायपुर द्वारा दोषी जाने पर भी माननीय उच्च न्यालय पी.एल.आई. के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुवे गुमराह किया जा रहा है। जबकि फर्म एवं संस्थान द्वारा तत्काल डायोसिस की बोर्ड को भंग कर प्रसाशक बैठा देना था।

फर्म एवं संस्थान के वर्तमान पंजीयक ईमानदार माने जाते हैं ?

कहां जाता है कि फर्म एवं संस्थान के वर्तमान पंजीयक ईमानदार है एवं नियम के अनुसार कार्य करने वाले अधिकारी माने जाते हैं परंतु सम्पूर्ण दस्तावेज समिति के विरुद्ध पाए जाने के बावजूद भी आज तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई यह अत्यंत आश्चर्य का विषय बना हुआ है। वर्तमान पंजीयक के पास जब शिकायत कर्ताओं ने सीडीबीई को गलत धारा 27 प्रदान किये जाने, अवैध संचालन व चुनाव के विरुद्ध धारा 40 के अंतर्गत अपील की गई तब पंजीयक ने शिकायत को सही पाया व तत्काल समिति के ऊपर 5 दिसंबर 2025 को स्थगन आदेश जारी किया और वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा नीतिगत कार्यों पर निर्णय लिए जाने के ऊपर रोक लगा दी गई, जो आज दिनाँक तक जारी है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार शिकायत कर्ताओं की शिकायत दस्तावेजी प्रमाण सिद्ध है। फिर भी पंजीयक पर किसका दबाव है की असंवैधानिक कार्यो व आर्थिक अपराध किये जाने के बाद भी समिति को अभी तक भंग नही किया जा रहा है,? क्या ईमानदारी पर अवैध कार्य हावी है ? या फर्म एवं सोसायटी का सीडीबीई के साथ वर्षो पुराना साँठगाँठ अभी भी प्रभावी है?

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन का 12 वर्ष से अवैध संचालन

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड आफ एजुकेशन का पंजीयन 2010 में हुआ जबकि छत्तीसगढ़ में मिशन की समस्त संस्थाएं सैकड़ो वर्ष से संचालित की जा रही हैं, सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्म एवं संस्थान रायपुर के तात्कालिक पंजीयक ने स्वयं पत्र जारी करके बताया था कि छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन के अंतर्गत कोई भी मिशन की संस्थाएं अधिनस्त नहीं है, न ही पूर्व फर्म एवं संस्थान भोपाल से कोई एन ओ सी मिला है। जिस पॉवर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर संस्थाए संचालित थी वो तात्कालिक जबलपुर डायोसिस द्वारा वापस ले ली गयी थी, यह बात स्वयं डायोसिस के वर्तमान सचिव एवं बोर्ड के तथाकथित उपाध्यक्ष नितिन लॉरेंस ने ई ओ डब्लू जबलपुर को शिकायत करते हुए बताया था कि छत्तीसगढ़ की कोई भी संस्थान छत्तीसगढ़ डायोसिस की नही है । फिर पद में आते ही किस अधिकार से छत्तीसगढ़ की संस्थाओं जिसमे सरकारी अनुदान प्राप्त शालाये भी शामिल है संचालित की जा रही है। यह मामला अपने आप मे एक बहुत बड़ा स्कैम है जिसके माध्यम से लगातार अपराधिक अपराध को वर्तमान पदाधिकारीयो द्वारा जानबूझकर किया जा रहा है। और शासन प्रसाशन आंखे मुंदे हुवे है।

अत्यंत रोचक विषय यह है कि वर्तमान पदाधिकारी को फर्म सोसायटी द्वारा समिति को धारा 27 की सूची जुलाई 2024 को प्रदान की फिर किस अधिकार से वर्तमान पदाधिकारी द्वारा मार्च 2023 से जून 2024 तक लगातार स्कूल के कर्मचारियों को एवं प्राचार्य को निलंबित किया गया और अवैध कार्यवाही की गई और नीतिगत निर्णय लिए जबकि वर्तमान पदाधिकारीयो के पास संस्था संचालन का अधिकार था ही नहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर के अनुसार यह एक संज्ञेय अपराध था, उसके बावजूद पदाधिकारी ने अवैध तरीके से शालाओं का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार सीडीबीई द्वारा करोड़ो रूपये इनकम टेक्स में जमा नही किया जा रहा है?, ईपीएफ की राशि जमा नही की जा रही है? वसूली कर अवैध नियुक्ति की जा रही है, इस तरह से छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफएजुकेशन शासन प्रसाशन को भी चूना लगा रहे है।

इस मामले में सोसायटी में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट लगाया गया है जिसकी सुनवाई ही नही हुई अभी तक

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थगन आदेश के बाउजूद तथाकथित वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा फर्म एवं सोसायटी व पंजीयक को ठेंगा दिखाया है व नीतिगत निर्णय लिए गए है, जिसके विरुद्ध शिकायतकर्ताओं ने कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट लगाया गया है जिसकी सुनवाई शेष है फिर अंतिम आदेश की फर्जी जानकारी वाट्सएप में कैसे दे दी गयी है? । जबकि किसी प्रकार का अंतिम आदेश फर्म एवं संस्थान रायपुर ने शिकायतकर्ताओं को जारी नहीं किया है तो फिर वर्तमान छत्तीसगढ़ डायोसिस के बोर्ड के तथाकथित उपाध्यक्ष नितिन लॉरेंस द्वारा को यह जानकारी कहां से मिल गई कि उनके पक्ष में आदेश जारी कर दिया है, जिसे जल्दी ही सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाएगा। यह खबर भ्रामक है और अगर सच भी है तो आदेश शिकायत कर्ताओं को अभी तक क्यो नही दी गयी है?

संक्षिप्त समाचार

दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में आरडीए कालोनीर डीडीनगर निवासी प्रार्थी जगन्नाथ सिंह 43 वर्ष ने आमानाका थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीजे 6253 को टाटीबंध शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में गंज रोड नवापारा निवासी संदीप बोथरा 50 वर्ष ने गोबरानवापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 23 एच 6209 को सुमित बाजार के सामने गंज रोड नवापारा के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान से लाखों रुपए का सामान पार

रायपुर। हीरापुर स्थित तात्या सेल्स दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने लाखों रूपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी छगन खजूरिया 35 वर्ष हर्षित टावर हीरापुर का रहने वाला है। प्रार्थी का हीरापुर में तात्या सेल्स नाम से दुकान है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके दुकान का ताला तोड़कर कॉपर वायर, पाइप, गीजर व अन्य सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 2 लाख 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर। फेस 3 कबीरनगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 1 लाख 80 हजार सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रंजीत सिंही 42 वर्ष फेस 3 कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 80 हजार सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 2 लाख 32 हजार 713 रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

प्रतिबंधित टेबलेट व गांजा के साथ दो युवक पकड़ाए

रायपुर। ग्राम निमोरा में राखी पुलिस के टीम ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट व गांजा बेचते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार राखी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम निमोरा में दबिश देकर गांजा व प्रतिबंधित टेबलेट के लिए ग्राहक तलाशते आरोपी सागर भारती 26 वर्ष और ज्ञानेश्वर जोशी 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दिनों के पास से 2 किलो 300 ग्राम गांजा व 136 नग नाइट्रोटेन टेबलेट जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। गोलबाजार पुलिस ने गांजा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 10 किलो 614 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गोलबाजार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर श्रीपैलेस होटल पेटी लाइन में दबिश देकर आरोपी सत्येन्द्र गिरी 19 वर्ष और देसराज सिंह 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के पास से पिट्ठू बैग में रखे 10 किलो 614 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

तलाकशुदा महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

रायपुर। तलाकशुदा महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर फरसाबहार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार 5 बच्चों की मां पीड़िता ने थाना में शिकायत किया कि वह अपने पति से तलाक लेने के बाद वर्ष 2012 से अपने बच्चों के साथ अकेली रहती है। इसी बीच 14.09.21 को प्रार्थिया किसी निजी कार्य से अपने गांव के करीब स्थित दूसरे गांव गई थी, इसी दौरान प्रार्थिया के गांव का ही एक युवक आरोपी अनूप एक्का उसे मिला और बोला कि मैं तुम्हे पसंद करता हूं, और शादी करना चाहता हूं,

अबूझमाड़ अब नहीं रहेगा अबूझ

मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था से पर्यटन का विकास होगा-सीएम साय

- पीएम जनमन, धरती आबा और नियद नेल्लानार योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का हो रहा है बेहतर विकास

रायपुर/ समय दर्शन

केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास तथा नक्सलवाद के खात्मे के बाद अबूझमाड़ अब अबूझ नहीं रहेगा। यहां भी ग्रामीणों के विकास के साथ-साथ रहवासी क्षेत्रों में अधोसंरचात्मक तथा मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था से पर्यटन का विकास होगा और क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा, ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जहां एक ओर ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का शत-प्रतिशत विकास किया जा रहा है वहीं राज्य सरकार की महत्वकांक्षी नियद नेल्लानार योजना सहित शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हो रहे विकास के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे की ओर आगे भी बढ़ रहे हैं। इससे अब अबूझमाड़ में भी विकास का नया सवेरा होगा। लोग खुली हवा में निडरतापूर्वक सांस ले सकेंगे। वहां भी चमचमाती सड़कों का जाल बिछने लगा है। बता दें कि बस्तर क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ का एक पिछड़ा और आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जो विकास की दृष्टि से अभी भी उपेक्षित है। इस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार ने पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय जन विकास मिशन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के साथ ही आदिवासी समुदायों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। अबूझमाड़ में भी आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। वहीं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए काम किया जा रहा है। इस अभियान से गांवों में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, और बिजली की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। इसमें पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आजीविका के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, गांवों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है। प्रदेश के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जिले में नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें इन जिलों के कुल 8 विकासखंडो में 23 सुरक्षा कैंपों के आसपास के 90 ग्रामों का विकास किया जा रहा है। नियद नेल्लानार से तात्पर्य आपका आदर्श ग्राम है अर्थात् ऐसा ग्राम जहां पर निवासरत

तेंदूपत्ता संग्रहण वनांचल में बना रोजगार और आय का जरिया

- 10 लाख से अधिक संग्राहक परिवारों को 596 करोड़ का सीधे भुगतान
- मुख्यमंत्री बोले तेंदूपत्ता संग्राहकों की मेहनत का हर रुपया उनके हाथ तक पहुँचना हमारी प्राथमिकता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनवासी अंचलों में इस वर्ष भी तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य तेज़ी से जारी है। राज्य के 902 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 10,631 फड़ों में यह कार्य हो रहा है। असमय हवा, तूफान, बारिश और ओलावृष्टि के कारण इस वर्ष तेन्दूपत्ता फसल को नुकसान जरूर पहुँचा है, लेकिन संग्राहक परिवारों की मेहनत और सरकार की प्रतिबद्धता ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। अब तक की रिपोर्ट के अनुसार, 10 लाख से अधिक संग्राहक परिवारों ने 10.84 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता फड़ों में बेचा है, जिसका मूल्य लगभग 596 करोड़ रुपये है। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे संग्राहकों के खातों में जमा की जाएगी। इसके लिए सॉफ्टवेयर में डाटा प्रविष्टि की प्रक्रिया ज़िला यूनियनों द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा हैकितेन्दूपत्ता छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों के लिए केवल वनोपज नहीं, बल्कि आजीविका का आधार है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि संग्राहकों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले। तेन्दूपत्ता संग्रहण से जुड़े हर परिवार के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का अहसास हो, इसके लिए हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। हमने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर को 4000 मानक बोरा से बढ़कर 5500 रुपए कर किया है।

शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू

- स्कूलों को मर्ज करने के बाद तय होगी अतिशेष की संख्या
- 4000 से अधिक स्कूल मर्ज किए जाएंगे, पदस्थापना के लिए तीन स्तरीय समिति बनी

रायपुर (समय दर्शन)।

छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण के तहत प्रदेश के उन स्कूलों को मर्ज करने का आदेश जारी किया है, जहां शिक्षकों की कमी है और छात्रों की संख्या राष्ट्रीय मानकों से कम है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों का युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग ने सभी जिलों से मिले आंकड़ों के आधार पर इसकी कार्रवाई शुरू कर दी है। शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश के 5,484 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फएक ही शिक्षक कार्यरत है, जबकि 297 स्कूलों में कोई भी शिक्षक नहीं है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में 7,305 शिक्षक अतिशेष संख्या में पदस्थ हैं, इस असंतुलन को दूर करने और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्रक्रिया के तहत 4000 से अधिक स्कूलों को मर्ज किया जा सकता है। वर्तमान में शिक्षक विहीन स्कूलों में आसपास के स्कूलों के शिक्षकों को अटैच किया गया है। नई पहल से शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी स्कूलों में छात्रों के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके। स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से सभी क्षेत्रों में एक समान संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने तिरंगा यात्रा के अवसर पर शहीदों के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया

पूर्व सीएम के बयान पर बीजेपी का पलटवार

सस्ते ट्रोलर बन गए भूपेश बघेल... रे-बे करने वाले भाषाई ज्ञान न दें

रायपुर/ समय दर्शन

तिरंगा यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बयानबाजी पर बीजेपी ने सोशल मीडिया पर उन्हें आड़े हाथों लिया है। भाजपा नेताओं ने उन्हें चौतरफा घेरा है। मंत्री केदार कश्यप ने एक्स पोस्ट पर बघेल को घेरते हुए कहा कि एक सस्ते ट्रोल की तरह ही व्यवहार कर रहे हैं पूर्व सीएम। देशहित से जुड़े इतने बड़े विषय का इस तरह मजाक उड़ाना निंदनीय है। आश्चर्य है कि कितनी फुरसत में रहते हैं वो और उनकी टीम। एक सहज-सरल मुख्यमंत्री का इस तरह उपहास करना, इस तरह विषय को भटकाना यह दिखाता है कि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की यह सफलता आपको पच नहीं रही है। कभी सर्जिकल स्ट्राइक का इसी तरह मजाक बनाते हुए उन्होंने कहा था कि वहां कौए मरे थे। जनता ने आपके भद्दे मजाक का जवाब दे दिया। क्यों इस तरह अपनी भद्द पिटवाते रहते हैं कका? तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बयान को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने सोशल मीडिया में पोस्ट किया जिसे कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने आड़े हाथों लिया है। मंत्री चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को हीनता बोध से ग्रस्त बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की जीत को नहीं पचा पा रहे हैं। मंत्री श्री चौधरी जी ने आयोजन शब्द को लेकर कहा कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्दकोष में 'आयोजन' का अर्थ है।

प्रताड़ना से तंग आकर महिला स्वास्थ्य अधिकारी ने की आत्महत्या

रायपुर। खैरागढ़ जिले से आई एक दुखद खबर है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के एक कठोर पहलू को सामने लाती है। छुईखदान के जंगलपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कार्यरत महिला स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) आरती यादव ने कथित तौर पर विभागीय अधिकारियों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने 15 मई को दुर्ग जिले के धनोरा स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने इस घटना के लिए विभागीय अधिकारियों को दोषी ठहराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरती यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में संविदा पर (सीएचओ) के पद पर कार्यरत थीं। एक महीने पहले एक सड़क दुर्घटना में उनके पति का निधन हो गया था, जिससे उन्हें गहरा सदमा लगा था। अपने पति को खोने के बाद, उन्होंने छुट्टी के लिए आवेदन किया था, जिसे विभागीय अधिकारी ने अस्वीकार कर दिया। निजी समस्याओं के कारण आरती स्वास्थ्य केंद्र नहीं जा पा रही थीं। इस पर विभागीय अधिकारियों ने उनकी अनुपस्थिति की शिकायत शासन-प्रशासन से कर दी।

हरा सोने का संग्रहण कार्य,बेमौसम वर्षा से गुणवत्ता प्रभावित हो रहा....

- झारखंड, ओडिशा से हो रही अंतरराज्यीय तस्करी
- नक्सल क्षेत्रों में संग्रहण पर लालसाया का आतंक

रायपुर (समय दर्शन)।

राज्य में इन दिनों हरा पत्ता कहे जाने वाले तेंदूपत्ता के संग्रहण का कार्य जोरों से चल रहा है। बेमौसम वर्षा होने के कारण इसकी गुणवत्ता पर असर पड़ता है। इधर सीमावर्ती राज्य झारखंड ओडिशा, मप्र एवं आंध्रप्रदेश से ज्यादा तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य होने के कारण अंतरराज्यीय तस्करी का खतरा भी मंडरा रहा है। ज्ञात रहे भारत वर्ष का सर्वश्रेष्ठ तेंदूपत्ता बस्तर के दंतेवाड़ा, भानुप्रतापपुर एवं बीजापुर में होता है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में भीषण गर्मी शुरू होते ही तेंदूपत्ता की तोड़ाई का काम शुरू हो जाता है। 16 लाख मानक बोरा के संग्रहण का कार्य 917 सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाता है। राज्य में दक्षिण बस्तर में सबसे पहले शुरू हो जाता है। दंतेवाड़ा, बीजापुर, भानुप्रतापपुर, नारायणपुर, जिलों में यह संग्रहण का कार्य चल रहा है। नक्सलियों की नजर इस कार्य पर होती है। इसीलिए उनको भी ठेकेदार द्वारा उपकृत किया जाता है। पुलिस विभाग के द्वारा इन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाती है। पहले चरण में दक्षिण बस्तर में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य होने के बाद इसे गरियाबंद जिले में शुरू किया जाता है।

देशभक्ति के रंग में रंगा छत्तीसगढ़

हर जिले में गूंजा भारत माता की जय,हर गांव में लहराया तिरंगा

- तिरंगा यात्रा में प्रदेशभर में उमड़ा जनसैलाब : मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों ने किया नेतृत्व

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक' कार्यक्रम और 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा को जनमानस से जोड़ने के लिए आज पूरे प्रदेश में भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। यह आयोजन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, भारतीय सेना के साहस को सम्मान और नागरिक एकजुटता का स्पष्ट प्रतीक बन गया। जशपुर जिले के दुलदुला तहसील के चराईडांड़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिकों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्र की एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत कर राष्ट्रीय संकल्प को जनआंदोलन में बदला। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने बिलासपुर में मिनी स्टेडियम से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। लखीराम ऑडिटोरियम तक निकली इस यात्रा में सांसद, महापौर, अधिकारी और जनसामान्य की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सुकमा जिले के चिंगावरम में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा और वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। इस आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया और स्पष्ट किया कि अब बस्तर आतंक से नहीं, आत्मबल से पहचाना जाएगा। राजनांदगांव में

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह स्वयं ग्राम भर्रेगांव और शहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की ताकत का जीवंत उदाहरण है। आम नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लेकर सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि दी। रायगढ़ जिला मुख्यालय में राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह और लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया के नेतृत्व में निकली यात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। यह यात्रा शहीदों और पहलगाम हमले की पीड़ित माताओं को सम्मान देने का जनसंकल्प बनी। कोरबा में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के नेतृत्व में घंटाघर चौक से निकली यात्रा में महापौर, कलेक्टर और एसपी सहित हजारों लोगों की भागीदारी रही। 'जय हिंद', 'वंदे मातरम' के नारों ने वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। महासमुंद जिला मुख्यालय में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और विधायक श्री योगेश्वर सिन्हा के नेतृत्व में यात्रा गांधी चौक से हाई स्कूल मैदान तक संपन्न हुई। ग्रामीणों, एनसीसी, स्काउट, महिला समूहों की भारी भागीदारी रही। कवर्धा जिले में गांव-गांव तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें सरपंच, शिक्षक, युवा मंडल और आम नागरिकों ने मिलकर सेना के प्रति सम्मान प्रकट किया। यह आयोजन जनजागृति का सशक्त मंच बना। बालोद जिला मुख्यालय में वल्लभ भाई पटेल मैदान से निकली यात्रा पुष्प वर्षा और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान रही।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता...

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है।

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं... चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है...

सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी। जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया। यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया।

उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है, इस मामले में प्रथम दृष्टया लागू होती है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को 'शर्मनाक और अश्लील' कहा। विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी।कर्नल सोफिया

कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया।जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है।उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया।सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए,जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था। उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था। इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता। न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ। सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि 'पूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।' जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है,तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता,जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है।देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है,न किसी व्यक्ति विशेष की होती है।जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है। उसका समर्पण संविधान,राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं।सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी 'व्यक्ति पूजा' की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती।उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की।बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी।वहीं,रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। मेरा मानना है कि चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है। बही हमारी सेना जो अपने घर परिवार से दुर शरहदों पर दिन राष्ट्र सेवा में ना केवल लग रहते है - वे भारत माँ की आन बान व शान के लिए मर मिटने को हमेशा तैयार रहते है।भारत माँ की रक्षा में अपने प्राणों को निछावर कर देते है। क्या ये बयान बाज बड़ बोले नेताओं को जनता जनार्दन उसे इन्हीं दिनों के लिए अपना बहुमूल्य मत दे संबैधानिक पदों पर सुशोमित किया है। कई सबाल के जबाव जनता नेता पूछती है।

संपादकीय

दुरुपयोग पर मिले सजा

सुप्रीम कोर्ट ने फिर से दहेज कानूनों के दुर्भावनापूर्वक इस्तेमाल पर निराशा व्यक्त की है। वैवाहिक मामलों में पत्नी द्वारा पति बुजुर्ग माता-पिता सहित अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व क्रूरता के प्रावधानों को लेकर पीठ ने कहा, क्रूरता शब्द का पक्षकारों द्वारा क्रूरतापूर्वक इस्तेमाल किया जाता है। इसे विशिष्ट उदाहरणों के बिना सरलता से स्थापित नहीं किया जा सकता। खास तिथि, समय या घटना का उल्लेख किये बगैर इन धाराओं को जोड़ने की प्रवृत्ति को अदालत ने मामले को कमजोर करने वाला बताया। यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश की अपील के खिलाफ आया, जिसमें एक शख्स को दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने आईपीसी की धारा 498 (क्रूरता) और दहेज निषेध अधिनियम 1961 की धारा चार के तहत अपराधों में उसे बरी कर दिया।

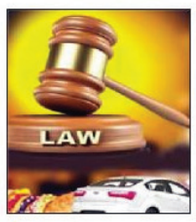

इन दोनों धाराओं के तहत पत्नियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से दुरुपयोग पर अदालत ने पति के बुजुर्ग माता-पिता, दूर के रिश्तेदार, अलग रह रही विवाहित बहनों को भी आरोपी बनाए जाने पर सवाल किया, जिससे गंभीर संदेह उत्पन्न होता है। यह शादी एक साल भी नहीं टिकी थी और दिसम्बर 1999 में पति व ससुरालियों पर दहेज की मांग, क्रूरता, शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न के आरोप साबका बीवी द्वारा लगाए गए थे। गैर-कानूनी होने के बावजूद भारतीय समाज में 95प्र. शादियों में दहेज का खुलकर लेन-देन होता है। यह सच है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली इस पारिवारिक हिंसा से बचाने के लिए बनाए गए दहेज विरोधी कानूनों का दुरुपयोग भी हो रहा है। मगर इस आधार पर न तो इन्हें कमजोर किया जा सकता है, न ही दहेज हत्याओं की अनदेखी की जा सकती है। बेहतर हो कि विवाह-विच्छेदन के नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाया जाए। जहां स्वेच्छापूर्वक या बगैर किन्हीं आरोपों-प्रत्यारोपों के एक-दूसरे से अलग होने के प्रावधान हों। बिला-वजह इन धाराओं को जोड़ने में पुलिस व वकीलों का बड़ा हाथ होता है। अधिक से अधिक ससुरालियों को जबरन उलझाने के प्रति पुलिस व वकीलों को अपने स्तर पर सुलटना चाहिए। पीड़िता के प्रति सहानुभूति रखने के बावजूद द्वेषपूर्ण प्रक्रिया से बचने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सूक्ति

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मज़बूत गुण होता है। - अज्ञात

साफ़ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है। - अज्ञात

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

संजय गोस्वामी

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुतीर्ला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है ह्यपहला सुख निरोगी कायाह्न सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार द जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है कहा जाता है कि जीवन में सफलता हासिल करनी हो तो अनुशासन रूपी कुंजी साथ में जरुर होनी चाहिए और जो खेल के मैदान में तेजी से फलता फूलता है अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन में अनुशासन के महत्व का पाठ खेलों के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है खेलों के द्वारा जीवन में पारस्परिक सम्मान के सद्गुण का विकास होता है खेलों के खिलाडियों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे एक दूसरे खिलाडियों का सम्मान करे सम्मान पाने का उपाय भी यही है कि दूसरों का सम्मान करो खेलों में जब खिलाडी अपने साथी खिलाडी को सम्मान नहीं देते है तो उन्हें आदर्श खिलाड़ी नहीं कहा जाता इसलिए प्रत्येक श्रेष्ठ खिलाड़ी अपने साथी खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिससे उनमें पारस्परिक सम्मान के गुणों का विकास होता है खेलों से ह्यटीम स्प्रिटह्न का विकास होता है ह्यटीम स्प्रिटह्न का मतलब हर उस खिलाड़ी से है जो अपने पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे इसमें टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है केवल अपने लिए नहीं यह ह्यटीम स्प्रिटह्न की भावना जो वह खेलों के द्वारा अपने अंदर विकसित करता है तो यही उसके व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है खेलकूद में शारीरिक व्यायाम भी महत्वपूर्ण है शारीरिक व्यायाम एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक निरोगता अथवा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाती है या बनाए रखती है। खेल देश की प्रगति के लिए भी बहुत जरूरी है जो ओलोंपिक में किसी खेल में ज्यादा मेडेल लाता है उसे दुनिया उतना ही अधिक शक्तिशाली मानती है महान क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में देश को वह गौरव प्रदान किया कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया आजकल क्रिकेट में भारत में आईपीएल लीग मैच चल रहा है और बाद में ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्थगित किया गया,जब सारे चैनलों पर युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है, जिसमें कई पर्यटकों सहित 26 नागरिक मारे गए थे और आतंकवाद का सफाया कर दिया गया था। यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हुआ, जहाँ सेना ने नौ आतंक से जुड़े स्थलों को नष्ट कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने अपनी वायु सेना को हाई अलर्ट पर रखा। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा दो ऐसे समूह हैं जिन पर अक्सर भारत में आतंकी हमलों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया जाता है।

अभिव्यक्ति : न्याय का नया दृष्टिकोण

नृपेंद्र अभिषेक नृप

सर्वोच्च न्यायालय ने 9 मई, 2025 को ऐसा ऐतिहासिक निर्णय सुनाया जो न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार को पुनः पुष्ट करता है, बल्कि जानकारी के अधिकार को भी केंद्रीय महत्त्व प्रदान करता है। इस निर्णय के केंद्र में विकिमीडिया फाउंडेशन और दिल्ली उच्च न्यायालय के मध्य उत्पन्न एक असाधारण विवाद है, जो डिजिटल अभिव्यक्ति, न्यायालय की प्रतिष्ठा तथा तकनीकी माध्यमों की कानूनी जिम्मेदारियों जैसे जटिल और समकालीन प्रश्नों से जुड़ा हुआ है। यह मामला भारत के संवैधानिक विमर्श में एक नई परत जोड़ता है, जो यह तय करने में सहायक हो सकता है कि डिजिटल युग में न्याय और स्वतंत्रता का संतुलन किस प्रकार बनाए रखा जाए।

मामला अक्टूबर, 2024 में उस समय आरंभ हुआ जब दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने विकिपीडिया पर एक पृष्ठ को हटाने का अंतरिम आदेश दिया। यह पृष्ठ एक मानहानि केस से संबंधित था, जिसमें न्यायालय की कार्यवाही और निर्णय पर उपयोगकताओं द्वारा टिप्पणियां की गई थीं। कुछ उपयोगकताओं ने उस न्यायिक आदेश की आलोचना की जिसे न्यायालय ने न्यायालय की अवमानना के रूप में देखा। इन टिप्पणियों के आधार पर न्यायालय ने विकिमीडिया को निर्देश दिया कि न केवल वह पृष्ठ हटाए, बल्कि उससे जुड़े चर्चा मंच को भी निष्क्रिय करे। बाद में, एक खंडपीठ ने भी इस आदेश को बरकरार रखा, जिससे विकिमीडिया फाउंडेशन को सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

सर्वोच्च न्यायालय की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूइयां शामिल थे, ने पूरे प्रकरण को व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, चाहे वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन क्यों न हो, जनता और प्रेस द्वारा खुली बहस आवश्यक है। उनका यह कथन भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को दर्शाता है, जहां न्याय व्यवस्था भी जनचर्चा और पारदर्शिता से अप्रभावित नहीं रह सकती। पीठ ने न केवल विकिपीडिया के उस पृष्ठ को हटाने के आदेश को रद्द किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश अभिव्यकित की स्वतंत्रता और जनजानकारी के अधिकार के विरुद्ध था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) और अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को जानने का अधिकार उनके लोकतांत्रिक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब तक जानकारी तक लोगों की पहुंच नहीं होगी तब तक वे न तो किसी सार्वजनिक नीति में भाग ले सकते हैं, और न न्याय व्यवस्था में विश्वासपूर्वक संलग्न हो सकते हैं।

यह निर्णय विशेष रूप से इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह इंटरनेट के उस स्वरूप को रेखांकित करता है जिसमें जनता स्वयं सूचना-सृजन में भागीदार बनती है। विकिमीडिया फाउंडेशन केवल एक तकनीकी माध्यम प्रदान करता है; यह स्वयं कंटेंट का निमार्ता नहीं है। यह निर्णय न केवल कानूनी दृष्टिकोण से, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों की दृष्टि से भी उल्लेखनीय है। इस मामले में यह दशार्या गया कि अदालतें जनता की आलोचनाओं और टिप्पणियों से डरी नहीं, बल्कि उन्हें संविधान के दृष्टिकोण से परखा। यह निर्णय व्यापक रूप से यह संदेश देता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जानकारी तक पहुंच का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला हैं। आज जब डिजिटल मीडिया हर नागरिक को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता देता है, तो ऐसे मंचों की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। यदि ऐसे मंचों को अभिव्यक्ति पर रोक लगाने के आदेश मिलते रहेंगे, तो न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित होगी, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श भी संकीर्ण बन जाएगा।

अब यह कहना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना तक पहुंच, और न्यायिक पारदर्शिता के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में सशक्त कदम है। इससे संकेत मिलता है कि न्यायपालिका स्वयं को आलोचना और सार्वजनिक चर्चा से परे नहीं मानती, बल्कि उसे आवश्यक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के रूप में भी स्वीकार करती है। यह निर्णय डिजिटल युग में न्याय, तकनीक और लोकतंत्र के जटिल संबंधों की ओर भी संकेत करता है।

धोनी के रिटायरमेंट पर सस्पेंस खत्म, सीएसके ने बताया माही का फ्यूचर प्लान !

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे हैं। धोनी को लेकर कहा जा रहा है कि यह उनका आखिरी सीजन है। धोनी फिलहाल पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। आईपीएल 2025 में सीएसके का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा है और टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। सिर्फ इतना ही धोनी के खुद फॉर्म भी इस समय उनका साथ नहीं दे पा रही है। ऐसे में उनके टीम में होने पर भी सवाल उठने लगे हैं। इसके बावजूद सीएसके के फैंस धोनी के लिए अभी भी टीम को पूरा सपोर्ट कर रहे हैं। इस सीजन में सीएसके को अभी दो मैच और खेलने हैं। ऐसे में फैंस में यह जानने की कौतूहल मची है कि क्या धोनी इसके बाद अब येलो जर्सी दोबारा फिर नजर आएंगे या फि नहीं। क्या सीएसके के एक युग का अंत होने वाला, लेकिन इस बीच टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जो खबर सामने आई उससे जान सीएसके और धोनी फैंस झूम उठेंगे।

आईपीएल 2026 में खेलेंगे महेंद्र सिंह धोनी

धोनी को लेकर फिलहाल सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह आईपीएल 2026 में सीएसके के लिए मैदान पर उतरेंगे या फिर नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के लोगों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। टीम में अभी भी कई चीजें ठीक करनी हैं, जिसके लिए धोनी का मार्गदर्शन जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो धोनी निश्चित रूप से आईपीएल 2026 में खेलते हुए दिख सकते हैं। ऐसा नहीं है कि एमएस धोनी से आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर सवाल नहीं पूछे गए हैं। एक मैच के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन है। इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि इस पर वह कुछ समय बाद फैसला लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर भी बात की थी। धोनी का मानना है कि आईपीएल में आगे खेलना है या फिर नहीं ये उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

1 साल में 2300 करोड़ की कमाई...

इस स्टार खिलाड़ी पर हुई पैसों की बारिश, फिर बना दुनिया में नंबर-1

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल की दुनिया न केवल प्रतिभा और जुनून का मंच है, बल्कि यह एक विशाल आर्थिक मंच भी है, जहां स्टार खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों और ब्रांड वैल्यू के दम पर करोड़ों की कमाई करते हैं. फोर्ब्स ने हर साल की तरह इस बार भी सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है. इस बार कई बड़े खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए लिस्ट में अपनी जगह बनाई है. वहीं, एक दिग्गज कमाई के मामले में इतना आगे है कि दूसरा खिलाड़ी उसके आसपास भी नहीं है. पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर लिस्ट में नंबर-1 बनने में कामयाब रहे हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मई 2024 और मई 2025 के बीच सबसे ज्यादा कमाई की है. फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पिछले 1 साल में 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,356 करोड़ रुपए) की कमाई की है. इसी के साथ वह लगातार तीसरी बार इस लिस्ट में टॉप पर रहे हैं. वहीं, ये 5वां मौका है जब उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में दुनिया के सभी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है.

40 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा सऊदी प्रो लीग के क्लब अल-नासर के साथ उनकी 225 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सालाना सैलरी से आता है. इसके अलावा, नाइकी, बिनांस, और हर्बालाइफ जैसे ब्रांड्स से उनकी ऑफ-फील्ड कमाई को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाया. इसके साथ उनकी एंडोर्समेंट डील्स और सोशल मीडिया की अपार लोकप्रियता (लगभग 939 मिलियन फॉलोअर्स) भी इसका एक बड़ा कारण है.

रोहित शर्मा के लिए राहुल द्रविड़ का खास संदेश

अब मुंबई में टिकट की चिंता नहीं मुझे पता है किससे संपर्क करना है

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड़, जिन्हें क्रिकेट की दुनिया में 'द वॉल' के रूप में जाना जाता है,उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में रोहित को बधाई दी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, अरे रोहित, लगता है तुमने उन स्टैंड्स में इतने छक्के मारे कि उन्हें तुम्हारे नाम पर रखना ही पड़ा! द्रविड़ ने इस सम्मान को रोहित के लिए एक सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि एक युवा लड़के के रूप में तुमने वानखेड़े जैसे प्रतिष्ठित स्टेडियम में खेलने का सपना देखा होगा। लेकिन क्या तुमने कभी सोचा था कि एक दिन इस स्टेडियम का एक स्टैंड तुम्हारे नाम पर होगा? यह मुंबई और भारतीय क्रिकेट में तुम्हारे योगदान का सच्चा पुरस्कार है।

द्रविड़ ने रोहित के शानदार प्रदर्शनों की तारीफ करते हुए कहा, वानखेड़े जैसे विश्व स्तरीय स्टेडियम में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है, और रोहित, तुमने न केवल वहां खेला, बल्कि अनगिनत यादगार पारियां खेलकर उसे और खास बनाया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी जोड़ा, अब जब तुम्हारे नाम पर स्टैंड है, तो अगली बार मुंबई में टिकट की कमी होने पर मुझे पता है कि किससे संपर्क करना है!

वानखेड़े का सच्चा स्टार

रोहित शर्मा का वानखेड़े स्टेडियम के साथ रिश्ता बेहद खास है। मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उन्होंने इस मैदान पर कई ऐतिहासिक जीत हासिल की हैं। उनके बल्ले से निकले छक्कों ने न केवल प्रशंसकों का दिल जीता, बल्कि इस स्टेडियम को क्रिकेट प्रेमियों के लिए और भी यादगार बना दिया। वानखेड़े में रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने कई आईपीएल खिताब जीते और उनकी व्यक्तिगत पारियों ने भी इस मैदान को एक अलग पहचान दी।

रोहित का यह सम्मान उनके उस समर्पण का प्रतीक है, जिसके साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक, टी20 में रनों का अंबार, और कप्तान के रूप में उनकी शानदार रणनीतियां- रोहित ने हर प्रारूप में अपनी छाप छोड़ी है। वानखेड़े का यह स्टैंड उनके उस जुनून और मेहनत का सम्मान है, जिसने उन्हें 'हिटमैन' बनाया।

एक नया अध्याय

रोहित शर्मा के नाम पर स्टैंड का नामकरण केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा भी है। यह हर उस युवा क्रिकेटर को प्रेरित करेगा, जो वानखेड़े के मैदान पर खेलने का सपना देखता है। जैसा कि द्रविड़ ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोहित के नाम वाला यह स्टैंड और भी कई छक्कों का गवाह बनेगा। यह स्टैंड न केवल रोहित की उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सुनहरे भविष्य का भी प्रतीक है।

परिवार, दोस्त और प्रशंसकों के लिए गर्व का पल

राहुल द्रविड़ ने अपनी शुभकामनाओं में रोहित के परिवार और दोस्तों को भी शामिल किया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह तुम्हारे लिए, तुम्हारे परिवार और दोस्तों के लिए एक शानदार दिन होगा। यह सम्मान न केवल रोहित के लिए, बल्कि उनके उन लाखों प्रशंसकों के लिए भी गर्व का क्षण है, जो उनके हर छक्के पर तालियां बजाते हैं।

एडम गिलक्रिस्ट ने चुनी ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट की दुनिया में एक अनूठा मुकाम हासिल किया है, और इसकी चमक को बरकरार रखने वाले खिलाड़ियों की चर्चा हमेशा सुर्खियों में रहती है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज और डेक्कन चार्जर्स के पूर्व कप्तान एडम गिलक्रिस्ट ने हाल ही में अपनी ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन चुनी है, जिसमें कुछ बड़े नाम शामिल हैं, तो कुछ चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं। गिलक्रिस्ट ने इस टीम की कमान अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी है, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार आईपीएल खिताब दिलाया। लेकिन, हैरानी की बात यह है कि आईपीएल के रन-मशीन विराट कोहली, विस्फोटक क्रिस गेल और लेग-स्पिनर राशिद खान जैसे दिग्गजों को इस टीम में जगह नहीं मिली। आइए, गिलक्रिस्ट की इस खास पसंद पर एक नजर डालते हैं।

महेंद्र सिंह धोनी, जिन्हें 'कैप्टन कूल' के नाम से जाना जाता है, को गिलक्रिस्ट ने अपनी ऑल-टाइम इलेवन का कप्तान चुना। 2008 में आईपीएल के पहले सीजन से लेकर अब तक धोनी ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाने

कोहली और उनके इन खतरनाक साथी खिलाड़ियों को किया नजरअंदाज

वाले धोनी की रणनीतिक समझ और दबाव में शांत रहने की कला गिलक्रिस्ट की पसंद का आधार रही। धोनी न केवल विकेट के पीछे चुस्त हैं, बल्कि फिनिशर के रूप में भी बेजोड़ हैं। गिलक्रिस्ट का यह फैसला धोनी के आईपीएल में अतुलनीय योगदान को दर्शाता है।

गिलक्रिस्ट ने अपनी टीम की शुरुआत के लिए ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और भारत के 'हिटमैन' रोहित शर्मा को चुना। वॉर्नर, जो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कई बार रन-मशीन साबित हुए, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं। दूसरी ओर, रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बनाया और उनकी ओपनिंग बल्लेबाजी ने हमेशा सुर्खियां बटोरीं। यह जोड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को शुरूआती झटका देने में सक्षम है।

मध्य क्रम में गिलक्रिस्ट ने 'मिस्टर आईपीएल' सुरेश रैना को जगह दी, जो अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कई यादगार पारियां खेलीं। उनके बाद सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 360 डिग्री बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया, इस टीम में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरन पोलार्ड भी मध्य क्रम को मजबूती देते हैं। पोलार्ड की विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी ने मुंबई इंडियंस को कई बार जीत दिलाई।

गिलक्रिस्ट की टीम में ऑलराउंडरों का शानदार मिश्रण है। वेस्टइंडीज के सुनील नरेन, जो अपनी रहस्यमयी स्पिन और उपयोगी बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं, इस टीम का हिस्सा हैं। नरेन के साथ भारत के रवींद्र जडेजा, जो अपनी शानदार स्पिन, ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बिजली सी फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं, टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, लसिथ मलिंगा और भुवनेश्वर कुमार के कंधों पर है। बुमराह की यॉर्कर, मलिंगा की स्लिंगी गेंदबाजी और भुवनेश्वर की स्विंग इस आक्रमण को घातक बनाती है।

गिलक्रिस्ट की इस पसंद ने कई लोगों को हैरान किया, क्योंकि आईपीएल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली को इस टीम में जगह नहीं मिली। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कई रिकॉर्ड बनाए, फिर भी गिलक्रिस्ट ने उन्हें नजरअंदाज किया। इसी तरह, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, जिन्हें 'यूनिवर्स बॉस' कहा जाता है, और उनके कई बड़े रिकॉर्ड भी गिलक्रिस्ट को प्रभावित नहीं कर सके। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान, जो लंबे समय से आईपीएल में अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान करते रहे, को भी इस इलेवन से बाहर रखा गया। दक्षिण अफ्रीका के धुरंधर एबी डिविलियर्स का न चुना जाना भी एक बड़ा आश्चर्य है।

गिलक्रिस्ट की ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन:

डेविड वॉर्नर, रोहित शर्मा, सुरेश रैना, सूर्यकुमार यादव, कीरन पोलार्ड, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुनील नरेन, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार

मेरा तो नहीं पर प्रशंसकों ... इतिहास रचने के बाद नीरज चोपड़ा ने बताया अपना अगला टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सुनहरे भाले के नायक, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने आखिरकार वो कर दिखाया, जिसका इंतजार पूरे देश को बेसब्री से था। उन्होंने दोहा में आयोजित डायमंड लीग में 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। यह उपलब्धि न केवल नीरज के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे है उनके नए कोच, जैवलिन थ्रो के दिग्गज जैन जेलेनी का मार्गदर्शन, जिन्होंने खुद कई बार 90 मीटर की दूरी को छुआ और विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।

दोहा डायमंड लीग में नीरज ने अपने तीसरे प्रयास में 90 मीटर की दूरी पार की। खास बात यह रही कि इस थ्रो को नीरज ने अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो नहीं माना। उनके अनुसार, इस थ्रो में वह बल था, जो सामान्यतः भाला फेंक में चाहिए, लेकिन फिर भी 90 मीटर का आंकड़ा पार हो गया। इस उपलब्धि के बाद नीरज ने रेवस्पोर्ट्स को दिए विशेष साक्षात्कार में अपनी खुशी और आत्मविश्वास को साझा किया। नीरज ने कहा, हमारी तैयारियों को देखते हुए मुझे पता था कि 90 मीटर का थ्रो आने वाला है। आज मेरे दो थ्रो 88 मीटर से अधिक थे। कोच जैन जेलेनी भी कह रहे थे कि मैं और बेहतर कर सकता हूं। फरवरी से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मेरी तकनीक में कुछ बदलाव हो रहे हैं। 90 मीटर का बैरियर पार करने से मैं बहुत खुश हूं।

पिछले कुछ समय से नीरज 88-89 मीटर की दूरी लगातार पार कर रहे थे, लेकिन 90 मीटर का आंकड़ा एक दीवार की तरह उनके सामने खड़ा था। कई लोग सवाल उठा रहे थे कि क्या नीरज इस आंकड़े को छू पाएंगे। लेकिन नीरज और उनके कोच जेलेनी की रणनीति ने इन सभी सवालों को चुप करा दिया। नीरज ने कहा, लोगों के मन में 90 मीटर को लेकर सवाल थे। कुछ लोग कह रहे थे कि यह नहीं हो पाएगा। लेकिन अब यह बैरियर टूट गया है और मुझे लगता है कि मैं इससे भी आगे जा सकता हूं। दोहा में प्रतियोगिता से पहले नीरज का आखिरी

प्रशिक्षण सत्र बेहद हल्का था। कोई थ्रो नहीं, केवल स्ट्रेचिंग और थोड़ी दौड़। गुरुवार को उन्होंने भाला भी नहीं उठाया। यह थी उनकी रणनीति और योजना, जो जेलेनी के अनुभव और नीरज की मेहनत का नतीजा थी।जैन जेलेनी, जिन्हें भाला फेंक का पर्याय माना जाता है उन्होंने नीरज के खेल में नई जान फूंकी है। नीरज ने जेलेनी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, उनके साथ काम करने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। उनकी मौजूदगी ही सकारात्मकता लाती है। वह विश्व रिकॉर्ड धारक हैं, इसलिए उनकी हर बात को मैं ध्यान से सुनता हूं और उस पर काम करता हूं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक के लिए घातक महिला रेसलर ने किया क्वालीफाई, चैंपियनशिप का भी किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई में मनी इन द बैंक की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन में कई रोमांचक मुकाबले हुए। टिफनी स्ट्रैटन ने अपना डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियनशिप सफलतापूर्वक बचाया। एलेक्सा ब्लिस और सोलो सिकोआ ने मनी इन द बैंक के लिए क्वालीफाई किया। इस एपिसोड में द रॉक जिन्हें ड्वेन जॉनसन के नाम से भी जान जाता है। उनका जन्मदिन भी मनाया गया।

7 जून को होगा मनी इन द बैंक

फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक की शुरुआत हो चुकी है। यह इवेंट 7 जून को लॉस एंजिल्स के इंटुइट डोम में होगा। बैकलैश के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई ने तुरंत इस बड़े इवेंट की तैयारी शुरू कर दी है। इस एपिसोड में विमेंस चैंपियनशिप का शानदार मुकाबला हुआ। साथ ही, मनी इन द बैंक के लिए क्वालीफाइंग मैच भी शुरू हो गए।

टिफनी स्ट्रैटन ने किया चैंपियनशिप का बचाव

मुख्य मुकाबले में टिफनी स्ट्रैटन का सामना पूर्व चैंपियन नाया जैक्स से था। टिफनी स्ट्रैटन को अपना डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियनशिप बचाना था। मैच में तब मोड़ आया जब नाओमी स्टील की कुर्सी लेकर रिंग में आई। लेकिन जेड कार्गिल ने उन्हें रोक दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए स्ट्रैटन ने जैक्स के चेहरे पर कुर्सी से ड्रॉपकिक मारी। फिर अपना सिग्नेचर मूव प्रीटिएस्ट मून्सॉल्ट एवरलगाकर जीत हासिल की। पहले विमेंस मनी इन द बैंक क्वालीफायर में एलेक्सा ब्लिस, चेल्सी ग्रीन और मिचिन के बीच मुकाबला था। चेल्सी ग्रीन ने चोरी से जीतने की कोशिश की। लेकिन ब्लिस ने ग्रीन पर सिस्टर अबिगेल डीडीटी मारकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ब्लिस ने लैडर मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तान:दो साल बाद टीम में वापसी, ब्रैथवेट की जगह लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे। चेज 2023 में आखिरी बार टेस्ट खेला था चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं।चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी। चेज अब तक 49 टेस्ट खेले हैं चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा। 6 खिलाड़ियों के नाम पर विचार के बाद चेज का नाम पर हुआ फैसला वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया में नवनिर्मित जिला परिवहन कार्यालय का लोकार्पण

लाईसेंस और पंजीयन संबंधी कार्यों में आमजन को मिलेगी बड़ी सुविधा

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम बल्हेरा में 01 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित जिला परिवहन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जिले में स्थायी परिवहन कार्यालय भवन की सुविधा का अभाव था, जिससे आम नागरिकों को लाइसेंस, वाहन पंजीयन और अन्य कार्यों में कठिनाई होती थी। अब नए भवन के साथ यह सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी, जिससे जनता को काफी राहत मिलेगी। लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री ने पांच आवेदकों को प्रतीक स्वरूप लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए, जिससे उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता जनता को समयबद्ध और सुगम सेवाएँ उपलब्ध कराना है। नये कार्यालय भवन के माध्यम से वाहन पंजीयन, ड्राइविंग लाइसेंस सहित सभी प्रमुख सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।

छह एकड़ भूमि में निर्मित इस परिसर में एक एकड़ में कार्यालय भवन तथा पाँच एकड़ क्षेत्र ड्राइविंग टेस्ट और फिटनेस टेस्टिंग

सेंटर के लिए आरक्षित रखा गया है। भवन में 18 कक्ष, 6 हॉल, अटैच लेट-बाथ तथा सामान्य शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यालय को पूर्णत: सुविधायुक्त रूप में डिजाइन किया गया है, जिससे विभागीय कार्यों की दक्षता भी बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 से अब तक जिले में 11,721 ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जा चुके हैं और 49,000 से अधिक वाहनों का पंजीयन हो चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि लोगों में परिवहन सेवाओं की बड़ी मांग है, जिसे यह नया कार्यालय सुगमता से पूरा करेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में विकास को गति देने के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता और सेवा-सुलभता को बढ़ाना हमारी सरकार का सतत प्रयास है।

संक्षिप्त-खबर

ठेठवार यादव समाज पाटन राज के पाहन्दा परिक्षेत्र के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न, शशि यादव बने अध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। ठेठवार यादव समाज पाटन राज का पाहन्दा परिक्षेत्र के पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। बैठक में निर्णय किया गया कि पूर्व पदाधिकारियों को पुन: तीन वर्षों के लिए मनोनीत किया जाए। इसके बाद सभी को एकमत से मनोनीत किया गया। जिसमें अध्यक्ष शशि शंकर यादव, उपाध्यक्ष देव कुमार यादव, कोषाध्यक्ष चितरंजन यदु, सचिव संतोष कुमार यादव , सहसचिव महेंद्र कुमार यादव मनोनीत हुए। बैठक में प्रमुख रूप से लतखोर यादव ,ईश्वर यादव, तामेश्वर यादव ,माखन यादव,शत्रुहन यादव ,बेनलाल यादव,ठाकुर राम यादव ,पवन यादव, शंकर यदु , कल्याण यदु, नन्द कुमार ,ललित यादव, एवम अन्य स्वजातीय बंधू उपस्थित हुए । यह जानकारी पाटन राज ठेठवार यादव समाज के मीडिया प्रभारी बलराम यादव ने दी है।

तर्रा की भारती यदु पुन: बनी ठेठवार यादव समाज महिला प्रकोष्ठ के पाटन राज अध्यक्ष, बैठक में सर्वसम्मति से हुई नियुक्ति

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम तर्रा निवासी भारती यदु एक बार फिर ठेठवार यादव समाज पाटन राज के अध्यक्ष नियुक्त हुई है। शनिवार को समाज के पाटन स्थित भवन में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में यह नियुक्ति की गई। बता दे कि महिला प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी भी पूर्ववत ही रहेगा। इस नियुक्ति पर समाज के लोगो ने सभी नए पदाधिकारियों को बधाई दी हैं।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्राम खोपली में

पाटन (समय दर्शन)। महिमा हॉस्पिटल उतई एवं शाश्वत डायग्नोस्टिक सेंटर उतई के संयुक्त तत्वाधान में पुराना बाजार चौक खोपली में नि:शुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था इस स्वास्थ्य शिविर में 44 मरीज ने स्वास्थ्य लाभ लिया सभी मरीजों का बीपी सुगर स्कैनिंग कर उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर में डॉक्टर आशीष साहू, ललित कुमार साहू, ओम प्रकाश साहू अनिकेत ताम्रकार,जया कुंजाम, रीना चंद्राकर ,अर्पित देवांगन, राधेश्याम साहू, आदि उपस्थित थे।

अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने दिए निर्देश

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। संयुक्त जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) की फ्लैगशिप योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन, सौर सुजला योजना, डीएमएफ मद से संचालित सौर पेयजल परियोजनाएं, स्वास्थ्य केंद्रों हेतु सोलर पावर प्लांट स्थापना, सोलर हाईमास्ट, ऑन-ग्रिड सोलर पावर प्लांट, सोलर स्ट्रीट लाइट, होम लाइट और हितग्राही एवं सामुदायिक मूलक बायोगैस सयंत्र स्थापना जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर दुदावत ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परियोजना को तभी पूर्ण माना जाएगा जब टैंक निर्माण से लेकर पाइपलाइन और नल कनेक्शन तक की संपूर्ण प्रणाली कार्यशील हो।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन एवं सौर सुजला योजना जैसे शासन की प्राथमिक योजनाओं को पूरी प्राथमिकता देते हुए चिन्हित ग्रामों के हितग्राहियों का लक्ष्य निर्धारण कर शासन स्तर पर भेजा जाए। उन्होंने निर्माणाधीन सोलर स्ट्रक्चर एवं फाउंडेशन आधारित कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया।

महिला नेतृत्व क्षमता वर्धन कार्यशाला

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा पीएचएफके सहयोग से संगवारी महिला मंच के मुखियाओं का नेतृत्व क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन आक्शन हाल गरियाबंद में किया गया।जिसमें छुरा और गरियाबंद ब्लॉक से 60 महिला मुखिया शामिल हुई प्रशिक्षण में प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षण का उद्देश्य बताते हुए आगे जानकारी दिया जिसमे नेतृत्व क्या है।नेतृत्व कोई पद नहीं है बल्कि सोच और साहस का नाम है यह एक प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति दूसरों को लक्ष्य के प्राप्ति के लिए सभी को प्रेरित करना और मार्गदर्शन करना और सबको साथ सहयोग की भावना से लेकर चलना है।इसके बाद नेतृत्व के गुण के बारे बताया गया जिसमें विजन,संचार कौशल,सुनने की कला, निर्णय क्षमता,ईमानदारी,सहभागिता को बढ़ावा देना,दूसरों को भी सशक्त बनाना। इसके बाद संस्था सचिव लता नेताम ने बताया कि महिलाओं के लिए नेतृत्व क्यों जरूरी है क्योंकि महिलाएं गांव और समाज का आधार हैं महिलाएं आवाज उठाकर औरों की भी मदद कर सकती महिलाएं भी निर्णय में शामिल होगी तभी मुद्दा हल होगा जो कि आज गावों में समस्या है कि योजनाओं और नियम कानून की जानकारी नहीं होती इसे हमे समझने की जरूरत है।संगवारी महिला मंच के मुखियाओं के लिए स्वयं के नेतृत्व का ज्ञान बढ़ाना जिसमें समुदाय और बच्चों के लिए क्या करना चाहिए और इसमें क्या चुनौतियां है और इसमें क्या क्या करने की आवश्यकता है इसमें हमे अपने जानकारी को बढ़ाना अति आवश्यक है।अंत में नेतृत्व के मतलब को सभी उपस्थित प्रतिभागी एक स्वर में बोले कि पहल करना,प्रेरित करना और बदलाव लाना।हर महिला में नेतृत्व क्षमता होती है बस जरूरत होती है उसे पहचानने,निखारने और प्रयोग करने की।

तहसील मानस संघ की बैठक, विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों को किया सलाम

पाटन (समय दर्शन)। तहसील मानस संघ पाटन जिला दुर्ग छग की अति आवश्यक बैठक भक्त मां कर्मा के विशाल परिसर साहू सदन पाटन में आहुत की गई। बैठक की शुरुआत श्री राम स्तुति एवं मंगल आरती के संग हुई।

सभा का संचालन कर रहे मुरली वैष्णव ने सर्वप्रथम विधिवत तहसील मानस संघ के वरिष्ठ संरक्षक एवं सलाहकार रामनारायण वर्मा का स्वागत अभिनंदन कराया पश्चात टीकाराम साहू अध्यक्ष तहसील मानस संघ पाटन का स्वागत किया गया।

तहसील कार्यकारणी का प्रथम उद्बोधन पुनेश्वर साहू मीडिया प्रभारी द्वारा आज के बैठक की मुख्य बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिन उद्देश्य के संग तहसील मानस संघ पाटन का गठन हुआ उन्हीं बातों को केंद्र में रखते हुए । उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते मानस संघ की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई जो लगातार अध्यक्षीय नेतृत्व में संपन्न होती रही। प्रमुख विषय जिन पर चर्चा हुई उनमें मानस आयोजन समिति ग्रामवार तहसील मानस संघ से संबद्ध होकर एक समरसता बनाए एवं मिलकर कार्य करें । जिसके लिए आयोजन प्रमुख ग्राम के द्वारा तहसील को 1000 रुपए की सहयोग राशि आयोजन समिति के द्वारा

देय होगी,,,,यह राशि शक्ति केंद्र एवं तहसील के कोश में विलय होगी जिनसे संघ की मजबूती बने। मानस मंडलियों का तहसील शक्ति केंद्र में प्रतिबद्धता मतलब पंजीयन। भवन निर्माण के कार्य का लगातार मूल्यांकन ,,,एवं निर्देशित भूमि का आवश्यक दस्तावेज के संग वकील तहसीलदार से लगातार कार्यालयीन कार्य,भवन निर्माण संबंधित अधिकारियों से जानकारी। तहसील मानस संघ पाटन की रामकोठी कोश संधारण हेतु ,,,,तहसील से आजीवन सदस्यता लेने हेतु आह्वान ,,,साथ ही वार्षिक सदस्यता शुल्क पदाधिकारियों के द्वारा देय है या नहीं उनकी जानकारी। आंशिक रूप से जिस शक्ति केंद्र में सक्रियता नहीं है ,,उन पर विशेष बैठक का आयोजन किया जाना है। विचार आए,,शीघ्र बैठक का दौर तहसील पदाधिकारी द्वारा प्रारंभ किया जाएगा ,,जिनके लिए शक्ति केंद्र ऐसा स्थान सुनिश्चित करें जहां जनसाधारण उपस्थित हो,,विशेष कर सेलूद,,खम्हारिया शक्ति केंद्र में पहले बैठक आयोजित होगी। तहसील मानस संघ पाटन के अध्यक्ष ने पारदर्शिता पूर्वक सबके समक्ष आय व्यय की जानकारी कोश प्रभारी कोमल साहू जी से विवरण प्रस्तुत कराया। जनप्रतिनिधियों से भेंट कर भवन निर्माण हेतु जो देय संकल्पित राशि की घोषणा है उनकी जानकारी प्रदान की गई,,,साथ ही संघ में मिलजुलकर कार्य हम करें इस बात की अपील आदरणीय अध्यक्ष के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर भेल चंद्राकर अध्यक्ष बेलहारी शक्ति केंद्र, गुलाब साहू , गिरधारी साहू, हितेंद्र साहू ने भी अपनी बातें रखी। इस अवसर पर तहसील पदाधिकारी सहित शक्ति केंद्रों के पदाधिकारी सदस्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार थानू राम देवांगन ने किया।

कसारिडीह, गुरुघासीदास वार्ड 44 में नाली में डिस्पोजल देखकर सुपर वाइजर पर भड़की मेयर

कसारिडीह व गुरुघासी दास वार्ड,नालियों पर अतिक्रमण कर सफाई व्यवस्था बाधित करने वालों पर होगी कार्रवाई-मेयर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत वार्ड कसारिडीह गुरुघासीदास वार्ड 44 में महा अभियान नाली साफ-सफाई को लेकर मेयर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा प्रभारी नीलेश अग्रवाल,नरेंद्र बंजारे वार्ड पार्षद मनीष कोठारी,उपअभियंता विनोद मांझी,प्रेरणा दुबे,सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पंकज,सुरेश भारती सहित अमला के संग निरीक्षण करने पहुंचे।उन्होने कसारिडीह से लगी हुई गुरुघासी दास वार्ड बस्तीयो के गलियों व सडक़ों में पैदल भ्रमण कर साफ सफाई व्यवस्था को देखे। वार्ड क्रमांक 44 क्षेत्र के कसारिडीह चौक में अगल-बगल कुछ दुकानदारों द्वारा नालियों पर अवैध अतिक्रमण कर रखा गया है, जिसके कारण नाली सफाई नहीं हो पा रहा है। जिसे हटाने के निर्देश अधिकारियो को दिये।कसारिडीह, गुरुघासीदास वार्ड में नाली में डिस्पोजल देखकर सुपर वाइजर पर भड़की कहा कही भी नालियों में दोबारा ऐसी नॉबत न आए। मेयर श्रीमती बाघमार ने सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं वार्ड प्रभारी इंजीनियरों से कहा कि अवैध रूप से निगम की जमीन पर बिल्डिंग मटेरियल रख कर मकान निर्माण करने वाले। सहित बिल्डिंग मटेरियल व्यापार करने वाले व्यापारियो का गुमस्ता एवं ट्रेड लाईसेंस निरस्त कर चालानी कार्यवाही की जाएगी।

दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमो का पालन करना बेहद जरूरी - पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा

मैनपुर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत मोटरसायकिल रैली,सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला एवं पुरस्कार वितरण

गरियाबंद (समय दर्शन)। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर मे सोमवार को पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम के तहत बाईक रैली निकाली और लोगो को हेलमेट लगाने के साथ साथ यातायात नियमो का पालन करने की अपील की गई बस स्टैण्ड मैनपुर मे विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम मे गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आज सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर जो कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।आने वाले समय मे इसका बेहतर परिणाम सामने आयेगा उन्होने कहा हम सबको यातायात नियमो का पालन करना बेहद जरूरी है लगातार दुर्घटनाएं बड़ रही है और इसे रोकने की जिम्मेदारी हम सबकी है उन्होने शराब पीकर या नशापान कर वाहन चलाने वालो पर अब सख्त कार्यवाही करने की बात कही है।यातायात नियमो के विषय मे विस्तार से जानकारी देते हुए श्री राखेजा ने कहा कहीं भी ट्रैफिक नियमो का कोई उल्लंघन किया जा रहा है तो उसका वीडियों बनाकर पुलिस को भेजे और तत्काल ईनाम पायें।

छत्तीसगढ़ फिल्म अभिनेता आकाश सोनी और अभिनेत्री ज्योत्सना ताम्रकार ने शानदार प्रस्तुति देते हुए जगरूकता कार्यक्रम के दौरान लोगो को सड़क सुरक्षा के संबंध मे जानकारी देते हुए डांस प्रस्तुत किया और लोगो की भीड़ उनके प्रस्तुति को देखने उमड़ पड़ी।इस दौरान ट्रैफिक नियमो का पालन करने वाले लोगो के साथ ही ग्राम में स्वच्छता के प्रति कार्य करने वाले जागरूक लोगो को प्रतीक चिन्ह देकर पुलिस अधीक्षक गरियाबंद निखिल राखेचा द्वारा सम्मानित किया गया।चित्रकला एवं विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने वालो को उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीणो के लिए निशुल्क लर्निंग लाईसेंस बनाने लगी है भीड़

पुलिस विभाग द्वारा मैनपुर मे थाना के सामने निशुल्क लर्निंग लाईसेंस बनाया गया,जहां भारी भीड़ लगी रही साथ ही नेत्र परीक्षण भी किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से एसडीओपी पुलिस विकास पाटले,थाना प्रभारी मैनपुर शिवशंकर हुर्रा,देवभोग थाना प्रभारी फैजल खान,तहसीलदार मैनपुर जी.एल साहू, सरपंच हनीता नायक,हनीफ मेमन,नंद किशोर चौबे,वरिष्ठ व्यवसायी गफ्फूमेमन,हुलार ठाकुर,जाकिर रजा,सरपंच मैनपुर कला गज्जू नेगी,सरिता सेन,शेख हसन खान,रूपेश साहू, राधेश्याम पटेल, ईतेश सोनी,नरेश सिन्हा, दिनेश सिन्हा, भागवती श्रीवास्तव, मोहन कुशवाहा, पुलस्त शर्मा, सुनील पटेल,देवकी तिरधारी, तिरनाथ नायक, नंदकिशोर पटेल,बलदेव नायक,पारेश्वर,खेलन साहू,रामदास वैष्णव, सेवन पुजारी,लालाराम पटेल,मनोज पांडेय तिजेश्वर सोनवानी,विनय साहू,जितेन्द्र साहू,संतोष साहू,संतोष ध्रुव,कैलाश ध्रुव, अजीत लाल,तीव सोनी सहित नगरवासी अंचलवासी उपस्थित थे।

बोर्ड परीक्षा में लगातार बेहतर परिणाम के लिए लेशन प्लान बनाकर तैयारी करवाएं सुनिश्चित - कलेक्टर उइके

बच्चों एवं शिक्षकों को बेहतर परिणाम के लिए दी बधाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी कक्षा 10 वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में जिले के बेहतर प्रदर्शन पर आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिला प्रशासन की नवाचारी पहल गौरव गरियाबंद अभियान के फ्लस्वरूप इस वर्ष बोर्ड परीक्षा परिणाम में जिले के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जिले में कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 90.17 प्रतिशत एवं दसवीं का 80.70 प्रतिशत रहा।कलेक्टर बीएस उइके ने गौरव सम्मान समारोह में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं के 23 और 12वीं के 11 बच्चों और इन स्कूलों के प्राचार्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया साथ ही बच्चों एवं शिक्षकों को बेहतर परिणाम के लिए बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।इस दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे इसी तरह लगातार कड़ी मेहनत करते हुए आगे बढ़े। साथ ही शिक्षकगण बोर्ड परीक्षा में लगातार बेहतर परिणाम के लिए लेशन प्लान बनाकर तैयारी सुनिश्चित करवाएं। जिस क्षेत्र में कमियां है उन्हें सुधारकर और

अच्छा कार्य करे।बच्चों को सैद्धांतिक के साथ प्रायोगिक तरीके से भी समझाएं जिससे उन्हें बेहतर समझ आएगा। सिलेबस को छोटे छोटे हिस्से में बांटकर जुलाई से ही तैयारी शुरू करवाएं जिससे समय पूर्व कोर्स पूर्ण हो और बच्चे बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार हो जाए।

उन्होंने कहा कि नीट और जेईई की तैयारी के लिए कार्ययोजना बनाकर बच्चों को तैयारी करवाए।इस अवसर पर डीईओ ए के सारस्वत,गौरव गरियाबंद के नोडल श्याम चंद्राकर,मनोज केला,डीएमसी के एस नायक सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी,बीआरसी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी गण मौजूद रहे।

गौरव गरियाबंद ने लहराया परचम

परीक्षा परिणाम के मामले में 2 साल मे जिले का रैंक 22 वे स्थान से चौथे स्थान मे आ गया है। 2 वर्ष पूर्व जिले में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के द्वारा शिक्षा गुणवत्ता सुधार हेतु गौरव गरियाबंद अभियान की शुरुआत की गई थी। इन दो वर्षों में 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा में जिले का रैंक लगातार बढ़ा है।जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत ने बताया कि, जिले का रैंक 12वीं में 22 वे स्थान से चौथे स्थान पर तथा दसवीं में 19वें स्थान से 14वें स्थान पर पहुंच गया है। प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या दसवीं में 26 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया है।12वीं में यह प्रतिशत 25 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया है। शत प्रतिशत परिणाम वाले स्कूलों की संख्या दसवीं में 6 से बढ़कर 23 हो गया है तथा 12वीं में 6 से बढ़कर 11 हो गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष की तुलना में परीक्षा परिणाम कक्षा बारहवीं में 8 प्रतिशत एवं दसवीं में 3 प्रतिशत की वृद्धि रही।

कक्षा बारहवीं के परीक्षा परिणाम में जिले के विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। इसके फ्लस्वरूप राज्य स्तर की रैंकिंग में कक्षा बारहवीं में 33 जिलों में चौथा स्थान हासिल किया है।इसी प्रकार कक्षा दसवीं में इस वर्ष 14वें स्थान हासिल किया है।जिले के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए कलेक्टर बीएस उइके ने बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए लगातार अच्छे काम करने एवं छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों एवं शिक्षकों के मेहनत की भी प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी।

खबर-खास

राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप में महासमुंद की बालिका टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

महासमुंद(समय दर्शन)। 5वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय नेटबॉल बालक /बालिका प्रतियोगिता का आयोजन जांजगीर में 17 से 18 मई 2015 तक आयोजित किया गया। जिसमें जिले की बालक बालिका टीम शामिल रहीं। जिले से बालिका टीम में ओजस्वी चंद्राकर, तारिणी साहू, योजना रंगारी, तृप्ति धीवर, नम्रता धीवर, खुशी साहू एवं बालक टीम में ग़तील पटेल, अर्णव दास, आयुष्मान कन्नौजिया, सत्य सागर साहू, आदित्य पटेल, आशीष शर्मा व दल मैनेजर कुलेश्वर चंद्राकर, शुभम तिवारी शामिल हुए। चैंपियनशिप में जिले की बालिका टीम अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। पदक जीतने पर खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, दीपक मंडावी, राजस्व निरीक्षक मनीष श्रीवास्तव, किरण महानिक, संतोष सोनी, शुभम तिवारी, सचिव अभिषेक अंबिलकर, कुलेशवर, हिरेंद्र साहू, सौम्या, आकाश सोनी जिला नेटबॉल संघ के पदाधिकारियों सहित खिलाड़ियों ने बधाई दीं।

शाला परिवार और ग्राम पंचायत मोहगांव में आपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन

साँकरा(समय दर्शन)। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए शाला परिवार और ग्राम पंचायत मोहगांव के संयुक्त तत्वाधान में 17 मई को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा शाला परिसर मोहगांव से आरम्भ होकर मन्दिर चौक होते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया । इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही नागरिकों में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जनजागरण फैलाना था। यात्रा में सभी शिक्षकों के साथ स्कूली बच्चे, पालक, पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामवासियों और महिलाओं ने भाग लिया। स्कूली बच्चों ने बैंड की धुन के साथ देशभक्ति गीत गाकर, देशभक्ति नारों से आम लोगों तक सेना के पराक्रम का संदेश पहुँचाया । तिरंगा यात्रा में सभी ने हाथों में तिरंगा थामकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे देशभक्ति नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। रैली के पश्चात शाला परिसर मोहगांव में छोटी सी सभा आयोजित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गयी । इस अवसर पर ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपँच विजय बारीक ने कहा कि ऐसे आयोजन से नई पीढ़ी को देश सेवा की प्रेरणा मिलती है । प्राचार्य जगदीश कुमार ने उद्बोधन देते हुए कहा देश की सीमाओं की रक्षा हमारे देश के जाँबाज सैनिक करते हैं, परन्तु जागरुक नागरिक भी देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । प्राथमिक शाला मोहगांव के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान और पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक रविलाल प्रधान ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित जनों को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

अचानक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर आई खुशी

मुंगेली जिले के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में बसे ग्राम बिजराकछार में पहुँचे मुयमंत्री विष्णुदेव साय, सुशासन तिहार के समाधान शिविर में उमड़ा जनसैलाब

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सुशासन तिहार के तीसरे चरण में आज मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के सुदूर और दुर्गम ग्राम बिजराकछार में आयोजित समाधान शिविर में पहुँचे। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे इस इलाके में पहली बार मुख्यमंत्री का आगमन होते ही ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह दिखा। यह इलाका आदिवासी और बैगा विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल है और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ महतारी एवं सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं और किसानों ने पारंपरिक खुमरी के साथ मुख्यमंत्री का गजमाला से अभिनंदन किया। समाधान शिविर में मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, गणमान्य नागरिक लखनलाल साहू और अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने समाधान शिविर में आत्मीयता के साथ ग्रामीणों से मुलाकात की और जनसमस्याओं को सुना। उन्होंने डिंडोरी में नए कॉलेज की स्थापना, खुड़िया में पीएचसी का उन्नयन एवं लोरमी में छात्रावास के निर्माण की ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं।

सुशासन तिहार के तृतीय चरण अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिजराकछार, बोईरहा, खुड़िया, महामाई, निवासखार, सुरही, कटामी, लमनी, छपरवा, अचानकमार, दरवाजा, कारीडोंगरी, डोंगरीगढ़, झिरिया क्लस्टर के रूप में शामिल की गई थीं। मुख्यमंत्री ने क्लस्टर की 14 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों से सीधा संवाद कर शासन की योजनाओं की जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री साय ने समाधान शिविर में हितग्राहियों को सामग्री वितरण कर लाभान्वित किया। उन्होंने 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 5 को राशन कार्ड, नोनी सुरक्षा योजना के 20 हितग्राहियों को बॉन्ड पत्र, सहकारिता विभाग के अंतर्गत 6 हितग्राहियों को 5 लाख 55 हजार रुपये का चेक, 33 हितग्राहियों को पीएम आवास की चाबी और स्वीकृत पत्र, महिला स्व सहायता समूहों को चक्रीय निधि और 3 हितग्राहियों को लखपति दीदी प्रमाण पत्र, मनरेगा के तहत 23 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, तेंदूपत्ता संग्रहण परिवार की मेधावी विद्यार्थी को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इस अवसर पर वन विभाग की ओर से अचानकमार जंगल सफारी के लिए गांव की महिला स्व-सहायता समूह को सफारी गाड़ी की चाबी भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार को लगभग डेढ़ वर्ष हो गए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई अधिकांश गारंटियों को पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही 13 दिसंबर को हुई पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख परिवारों को आवास की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि 15 मई तक चल रहे आवास सर्वे में जिन लोगों को अभी तक आवास नहीं मिला है, उन्हें भी इसका लाभ दिया जाएगा।

समाधान शिविर में आमजनों की समस्याओं का तत्काल हो निराकरण - ईश्वर साहू

साजा (समय दर्शन)। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेलगांव में समाधान शिविर का आयोजन सोमवार को सम्पन्न हुआ । इस दौरान सुशासन तिहार में मिले मांग, शिकायत और समस्या संबंधी आवेदनों की जानकारी दी गई। बेलगांव में आयोजित समाधान शिविर में विभागीय स्टॉल भी लगाएं गए थे,जिनका उपस्थिति जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया गया तथा विभागवार प्राप्त मांग-शिकायतों के निराकरण के संबंध में जानकारी ली गई। ग्रामीणों को पीएम आवास योजना, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान योजना,श्रम विभाग की योजनाओं से लेकर राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, सफाई , विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, लोकनिर्माण,राजस्व, सहित शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं-कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस मौके पर विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। समाधान शिविर में मुख्य रूप से साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू पहुंचे एवं एक-दूसरे के सुख-दुख की बातें सुनी । जनपद अध्यक्ष साजा जितेंद्रकुमार साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, जिला पंचायत सदस्य प्रीति -गोवेंद्र पटेल, परमेश्वर पटेल, संजय चौबे शाखा प्रबंधक ठेलका , हेमंत तिवारी पर्यवेक्षक, डॉक्टर अनूप गौतम आयुर्वेदिक औषधालय बेलतरा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं पदाधिकारी समाधान शिविर में उपस्थित रहे। सेवा सरकारी समिति मर्यादित बेलतरा के द्वारा किसानों को केसीसी ऋण एवं केसीसी कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सेवा सहकारी समिति मर्यादित कांपा, सोमईकला , भरदा कला एवं ठेलका समेत समाधान शिविर में सभी सेवा सरकारी समिति के कर्मचारी गण उपस्थित रहे। समाधान शिविर में विभाग वार समस्या का निवारण किया गया।

ग्राम बरोली के युवा ने समाज व क्षेत्र को किया गौरवान्वित

बसना(समय दर्शन)। महासमुंद जिला की प्रतिभा एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर दमक उठी है। ग्राम बरोली, तहसील बसना निवासी रितेश कुमार साहू का चयन नेशनल काउंसिल फॉर हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट (ह्रष्ट॥।।ष्ठ), दिल्ली के दंतेवाड़ा यूनिट में परियोजना समन्वयक पद पर हुआ है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।

रितेश कुमार साहू, ग्राम बरोली के कृषक और समाजसेवी प्रह्लाद साहू के सुपुत्र हैं। प्रह्लाद साहू एक कर्मठ किसान हैं, बल्कि बसना विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के समाज सेवी के रूप में भी प्रतिष्ठित हैं। वे वर्तमान में भाजपा मंडल गढ़फुलझर के महामंत्री तथा साहू समाज के अध्यक्ष के रूप में समाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सशक्त पहचान रखते हैं। इसके साथ ही वे एक सफल व्यापारी भी हैं। ऐसे प्रेरक पृष्ठभूमि से आने वाले रितेश साहू ने अपने कठिन मेहनत और सेवा भावना से नई ऊँचाइयों को छुआ है।

इससे पूर्व भी श्री साहू का चयन एनएमडीसी सीएसआर (ह्रस्ष्ठष्ट ष्टस्क्र) के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक विकास परियोजनाओं में हो चुका है, जहाँ उन्होंने आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ह्रक्रक्रू) और नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम जैसे महत्वाकांक्षी अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनकी कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता और जमीनी अनुभव को देखते हुए ह्रष्ट॥।।ष्ठ ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। संस्था का मुख्य उद्देश्य देश के पारंपरिक बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगरों के संरक्षण, कौशल विकास और उत्पाद विपणन को बढ़ावा देना है। यह संस्था विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में पारंपरिक शिल्प को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाने के लिए कार्यरत है।

धरती आबा संतृप्तिकरण शिविर 15 से 30 जून तक

धमतरी (समय दर्शन)। धमतरी जिले के आदिवासी बाहुल्य इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, पढ़ाई-लिखाई और इलाज की बेहतर सुविधाओं जैसे मूलभूत जरूरतों को विकसित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। धमतरी जिले के 97 ग्राम पंचायतों के 108 आदिवासी बाहुल्य गांवां को इस अभियान में शामिल किया गया है। इन गांवों में शासन की विभिन्न योजनाओं से शत-प्रतिशत लोगों को लाभान्वित करने के लिए 15 जून से 30 जून तक धरती आबा संतृप्तिकरण शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविर में ग्रामीणों को 17 विभागों की 25 योजनाओं से यथासंभव मौके पर ही लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में ग्रामीणों के जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र बनाने के साथ-साथ उन्हें राजस्व विभाग की अन्य दूसरी सेवाओं से भी लाभान्वित किया जाएगा।

अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व ने किया मार्कफेड सारंगढ़ का निरीक्षण

सारंगढ़ (समय दर्शन)। जिले में किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद ,बीज , कीटनाशक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर श्री डॉ संजय कन्नौजे के आदेशानुसार स्ष्ठरू सारंगढ़ श्री प्रखर चंद्राकर (द्बस्) एवं उपसंचालक कृषि श्री आशुतोश श्रीवास्तव द्वारा सारंगढ़ उपस्थित द्बड्डह्म्द्मद्गस्र के भंडारण स्थल तथा कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के समस्त समितियों में लक्ष्य अनुरुप रसायनिक खाद का भंडारण समय पर करने निर्देशि दिए , गोदाम का निरीक्षण करने पर वर्तमान में यूरिया 252.135 एमटी, सिंगल सुपर फास्फेट 40.000 द्बह्ल पाया गया । विदित हो कि वर्तमान में किसान आगामी खरीफहेतु खाद ,बीज का अग्रिम उठाव कर रहे हैं परंतु समिति में खाद का स्टॉक नहीं होने के कारण तत्काल रासायनिक खाद की मांग कर समितियों में भंडारित करने निर्देशित किए। जिले के समस्त समितियों में लक्ष्य 26070 एमटी के विरुद्ध 9804.932 एमटी का भंडारण तथा वितरण 3230.029 हुआ है जोकि लक्ष्य के विरुद्ध भंडारण 38.07 प्रतिशत है श्री चंद्राकर द्वारा भण्डारण को बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया । निरीक्षण के दौरान उपस्थित उर्वरक निरीक्षक द्वारा ह्यह्यश्च खाद का गुणवत्ता परीक्षण हेतु सैंपल लिया गया ।

नगर निगम का अतिक्रमण पर एक्शन, दुकानदारों में मचा हड़कंप,कूलर,स्टैंड चेयर के अलावा त्रिपाल को किया जब्त

इंदिरा मार्केट पटवा लाइन,कपड़ा लाइन पाँच कंडील सहित कुँवा चौक में नगर निगम ने अतिक्रमण पर की कार्रवाईः

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर को बेहतर व सुंदर बनाने की दिशा में बाजार व अतिक्रमण विभाग टीम ने मेयर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश और बाजार अधिकारी शुभम गोइर के दर्शन पर बाजार क्षेत्र पटवा लाइन,कपड़ा लाइन,पांच कंदील,कुनवा चौक में अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार भी जारी रहा।

इस दौरान अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में कार्रवाही शुरू किया गया। कार्रवाही के मौके पर उन्होंने दुकानदारों को दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने की हिदायत दी।

पटवा लाइन व पांच कंडील बाजार क्षेत्र सडक़ किनारे रखें दुकानो के बाहर विज्ञापन बोर्ड को हटवाया।साथ ही दुकान के बाहर समान सजाकर रखें कूलर,त्रिपाल,स्टेंड स्टूल सहित चेयर के अलावा सामग्री को जब्त किया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे दुकानदारों में हडकंप मच गया,दुकान दार अपना बाहर रखें समान की भीतर रखने लगे। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर ने दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि दुकानदार दुकानों के सामने अतिक्रमण न करें। अगर कोई दुकानदार अतिक्रमण करते पाया जाता है तो उसके खिलाफचालान कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। हथठेले व सडक़ घेरकर पसरा लगाकर दुकानों के बाहर चबूतरा हटवाने की चेतावनी दी कि 24 दिन का समय अगर वह सडक़ पर दिखाई देंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण हटाओ मुहिम जोर पकड़ा है।सुगम यातायात एवं व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है।कार्रवाई के अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर ने बताया कि बाज़र क्षेत्र भीड़ वाले इलाके में अवैध कब्जे से ट्रैफिक्र होता था जाम इसलिए कार्रवाही किया जा रहा है।

अतिक्रमण तोडूदस्ता टीम के कर्मचारीगण मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ मुहिम जोर पकड़ा है।सुगम यातायात एवं व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है।बाज़र क्षेत्र भीड़ वाले इलाके में अवैध कब्जे से ट्रैफिक्र होता था जाम इसलिए कार्रवाही किया जा रहा है।

//न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)//

ईकोर्ट क... ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम- खाम्ही प.ह.नं. 07

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रकुमार पटेल पिता फिरंता पटेल निवासी ग्राम खाम्ही तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम ने अपने पिता फिरंता पटेल पिता जुड़ावन पटेल के मृत्यु प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज आवेदन पत्र, अप्राप्यता प्रमाण पत्र, पंचनामा, शपथ पत्र में आवेदक के पिता फिरंता पटेल पिता जुड़ावन के मृत्यु तिथि 04/10/2013 को ग्राम खाम्ही में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 08/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 22/05/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

//न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)//

ईकोर्ट क...ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम- दरगवां प.ह.नं. 07

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक कन्हैया मोहले पिता मयाराम मोहले निवासी ग्राम दरगवां तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम ने अपने पिता मयाराम के मृत्यु प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज आवेदन पत्र, अप्राप्यता प्रमाण पत्र, पंचनामा, शपथ पत्र में आवेदक के पिता मयाराम मोहले पिता कंवल मोहले के मृत्यु तिथि 03/10/2007 को ग्राम दरगवां में होना लेख किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 08/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 22/05/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

//न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)//

ईकोर्ट क. ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम- दरगवां प.ह.नं. 07

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक सुखऊ पात्रे पिता महंत पात्रे निवासी ग्राम दरगवां तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम ने अपने पिता महंत पात्रे पिता विक्रम पात्रे के मृत्यु प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज आवेदन पत्र, अप्राप्यता प्रमाण पत्र, पंचनामा, शपथ पत्र में आवेदक के पिता महंत पात्रे पिता विक्रम पात्रे के मृत्यु तिथि 03/10/1984 को ग्राम दरगवां में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 08/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 22/05/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

।। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन, तहसील पाटन, जिला दुर्ग।।

// ईश्तहार//

क्रमांक /
/प्र.01 / अति.तह./2025
पाटन, दिनांक 08.05.2025

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम बोदल प.ह.नं. 27 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनाये प्रकाशित किया जाता है कि आवेदकगण मनोज बंछोर पिता जयंत बंछोर निवासी पानी टंकी के पास मीनाक्षी नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग ग्राम बोदल प.ह.नं. 27 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 405, 388/2 रकबा क्रमशः 1.19, 0.81 हे. में दर्ज भूमिस्वामी मनोज कुमार पिता महेन्द्र कुमार उर्फ जयंत कुमार को सुधार कर आवेदक के आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में दर्ज नाम के आधार पर सुधार कर राजस्व अभिलेख में आवेदक का नाम मनोज बंछोर पिता जयंत बंछोर दर्ज करने बाबत् अधिवक्ता प्रपत्र, आदेशिका वर्तमान बी-1, ऋण पुस्तिका की छायाप्रति, सहित आवेदन प्रस्तुत आधार पर न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 02.06.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का हो रहा समाधान

एक दिन में पात्र 12 हितग्राहियों को मिला राशन कार्ड

पवनी (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत पवनी में सुशासन तिहार का समाधान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दिए वहीं वार्ड क्रमांक 8 कर्मा माता वार्ड के पार्षद करन साहू ने सक्रियता दिखाते हुए अपने वार्ड में भ्रमण कर राशन कार्ड के लिए पात्र हितग्राहियों के घर जाकर आवेदन फॉर्म डलवाया और सुशासन तिहार के समाधान शिविर में लोगों के आवेदन

ऑन पर त्वरित कार्यवाही खाद्य विभाग के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 12 हितग्राहियों को नए राशन कार्ड बनाया गया। जिसे सोमवार को नगर पंचायत पवनी के अध्यक्ष कुलदीप साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मजीद खान के हाथों से वितरण करवाया गया इस अवसर पर अन्य पाषर्दगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

हितग्राहियों के चेहरे में आई मुस्कान, सरकार का जताया आभार

वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद करन साहू ने बताया कि उनके वार्ड के लोगों को राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं मिल पा रही थी इसके बाद वह सभी के घर गए और पात्र हितग्राहियों का फार्म भरवा कर राशन कार्ड बनवाने में मदद किया वहीं नए राशन कार्ड पाने के बाद हितग्राहियों के चेहरे में मुस्कान आ गई और सभी हितग्राहियों ने एक स्वर में सुशासन तिहार के समाधान शिविर का सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय समेत छत्तीसगढ़ शासन के सभी मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया इस कार्य में खाद्य विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर किशन श्रीवास का भी विशेष योगदान रहा। वार्ड क्रमांक 8 के निवासी फूलबाई साहू पति स्व.फत्ते लाल, कांति साहू पति पुरुषोत्तम साहू, धनीराम साहू पिता स्व. राधेश्वर साहू, रथ बाई साहू पति स्व. जनीराम साहू, मोंगरा बाई पति स्व. बृजराम साहू, संतरा बाई पति स्व. मोहन लाल साहू, सुकमती साहू पति बाबूलाल साहू, और सुरेश साहू पिता धनेश्वर साहू और पुनिराम पिता स्व.शंकर लाल श्रीवास शामिल है।

संक्षिप्त-खबर

जिला बल एवं सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान से नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फिरा

रायपुर (समय दर्शन)। जिला बल गरियाबंद और 65वीं वाहिनी सीआरपीएफकी एफकंपनी की संयुक्त कार्रवाई में माओवादियों के पास रखे गए दो कुकर बम, करीब 5-5 किलो के ध्वस्त कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है ।

घटना थाना मैनपुर क्षेत्र के ग्राम गौरमुंड के जंगलों की है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत 18 मई को असिस्टेंट कमांडेंट सुधीर कुमार के नेतृत्व में जिला बल और सीआरपीएफकी संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान जंगल में माओवादियों की गतिविधियों की पुष्टि हुई और तलाश के दौरान सुरक्षाबलों को सोलर प्लेट, बर्तन, वायर सहित अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद की गई।

बताया जाता है कि बी.डी.एस.की दोनों टीम ढ्वश्वष्ठ बमों को सुरक्षित स्थान जंगल में ही नष्ट किया गया। इन बमों को सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया गया था, समय पर जानकारी मिलते ही कार्य को अंजाम दिया गया । सही समय पर नहीं पकड़े जाते, तो जवानों को बल्कि ग्रामीणों और जानवरों को गंभीर हादसा होने की संभावना थी। छत्तीसगढ़ पुलिस और सुरक्षाबल नक्सलियों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर कामयाब नहीं होने देंगे।卐 घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के इलाकों में सन्नाटा फैला रहा, बरामद किए गए सामग्रियों की एवं नष्ट किए गए 5/5 किलो के प्रेशर बमो की जांच, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है ।

पी एम श्री स्वामी आत्मानंद आर के स्कूल पिथौरा में समर कैंप का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार पी एम श्री स्वामी आत्मानंद आर के स्कूल पिथौरा में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है जीसमे अनेक बच्चे भाग ले रहे है द्य विद्यालय में प्रथम समर कैंप का आयोजन सम्पन्न हुआ द्य जीसमे बच्चो ने सर्वप्रथम योग की विधाओ में भाग लिया, जिसकी प्रभारी श्रीमती सुमन साहू मैडम रही ।साथ ही खेल की विधाओं के प्रभारी योगेश सोनवानी, अमरजीत नायक एवं नोतन कुमार साहू रहे ।इसके पश्चात वैदिक गणित, विज्ञान के खेल, अंग्रेजी, हिंदी एवं शिल्प की विधाओ में बच्चों ने भाग लिया। जिनके प्रभारी चंद्रकांत साहू, चंद्रहास साहू, शिव कुमार भोई, द्वारका पटेल, प्रकाश सिंह, अजय साहू, डोमन लाल साहू, गुणसागर प्रधान, भानु प्रताप पटेल,श्रीमती राजकुमारी बंजारे, श्रीमती निर्मला पटेल, सु श्री भाग्य श्री नाग,विवेक राणा, संजय गार्डिया,श्रीमती लालिमा नायक,श्रीमती तरनजीत कौर, अजय कुमार पटेल,सुश्री रोशनी पटेल, सुश्री मोनिका साहू, सुश्री संजू साहू, श्रीमती निहारिका यादव, नीमा दीवान मैडम एवं अन्य सभी सहयोगी स्टाफरहे द्य द्वितीय समर कैंप का आयोजन दिनांक 16.05.2025 से शुरू होकर दिनांक 23.05.2025 को सम्पन्न होना है जिसमें बच्चे सभी विधाओ में भाग ले रहे हैं पी एम श्री स्वामी आत्मानंद आर के स्कूल पिथौरा के प्राचार्य महोदय मायाधर प्रधान ने बताया कि, यह समर कैम्प बच्चों को उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास में मददगार साबित होगा द्य इसलिये प्राचार्य महोदय मायाधर प्रधान एवं व्याख्याता एम.के साहू ने पालको से भी अनुरोध किया है कि शासन की महती योजना का लाभ उठाए और ज्यादा से ज्यादा संख्या में बच्चो को समर कैंप का हिस्सा बनाने में सहयोग करें ।

प्रदेश का पहला रोल बॉल स्केटिंग फ्लोर रिसाली में

रिसाली (समय दर्शन)। प्रदेश का पहला रोल बॉल स्केटिंग फ्लोर का लोकार्पण रिसाली के आत्मानंद गार्डन में रविवार को देर शाम किया गया। इसके निर्माण में 16 लाख 10 हजार राशि खर्च की गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्टेट रोल बॉल एसोशिएसन के अध्यक्ष व दुर्ग सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर शशि सिन्हा के आतिथ्य वाले लोकार्पण कार्यक्रम में रोल बॉल स्केटिंग फ्लोर पर 25 से भी अधिक बच्चों ने प्रदेर्शन भी किया।

स्केटिंग फ्लोर के लोकार्पण अवसर पर दुर्ग सांसद और एसोशिएसन के अध्यक्ष विजय बघेल ने कहा कि रिसाली में बने प्रदेश स्तर के पहला स्केटिंग ग्राउण्ड सम्यक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने विधायक की सक्रियता और उनकी सोच का उल्लेख करते हुए कहा कि रिसाली भले ही छोटा है, किन्तु यहां उल्लेखनीय कार्य के लिए चिन्हित है। उन्होंने आत्मानंद गार्डन के निर्माण और संचालित गतिविधिया के लिए निगम के सभापति केशव बंछोर को बधाई दी। सांसद ने कहा कि अब रिसाली में भी राष्ट्रीय स्तर व फेडरेशन के खेल आने वाले वर्षो से कराए जाऐंगे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ने ललित चंद्राकर ने लोकार्पण अवसर पर कहा कि इस ग्राउण्ड से अभ्यास कर बच्चे राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर रिसाली का नाम रोशन करे। यही उनकी इच्छा है। उन्होंने कहा कि विकास एक सतत् प्रक्रिया है।

करोड़ों के शराब घोटाले में बंद अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

रायपुर (समय दर्शन)। करोड़ के शराब घोटाले में बंद अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है, सुप्रीम कोर्ट के जमानत के बाद भी शराब कारोबारी जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे उन्हें नियम व शर्तों के आधार पर जमानत दी गई है । सेंट्रल जेल में बंद कारोबारी अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई में देरी के आधार और जांच में सहयोग करने की शर्त पर बेल दी है।

हालांकि, इसके बाद भी अनवर ढेबर जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। कोर्ट ने श्वष्ठ के केस में जमानत दी है। ढेबर पर ईओडब्ल्यू में भी मामला दर्ज है। वकील बोले- हमें न्याय मिला ।

अनवर ढेबर के वकील अमीन खान ने बताया कि ईडी की ओर से चल रहे आबकारी मामले में अनवर ढेबर की जमानत याचिका मंजूर हो गई है। इस मामले में जेल में बंद कुछ लोगों को पहले से ही जमानत मिल चुकी है। हमें न्याय मिला है।

लंबे समय तक किसी को जेल में बंद करके ट्रायल नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में ईओडब्ल्यू मामले में भी केस चल रहा है। हमें उम्मीद है कि ईओडब्ल्यू की ओर से चल रहे केस पर भी जमानत दिये जाने की संभावना है ।

मालूम हो कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में श्वष्ठ जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। श्वष्ठ ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफ्सर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। ईडी की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच एसीबी कर रही है। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 से 2022 तक शासकीय शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई। जीससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है।

ईडी का आरोप- लखमा सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे ।

ईडी का आरोप है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में स्नरु-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई।

प्रधानमंत्री जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान (धरती-आबा) के तहत महासमुंद जिले के 308 ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन

कमार जनजाति पर विशेष ध्यान, 18 मंत्रालयों की योजनाएं पहुँचेंगी ग्रामवासियों तक

महासमुन्द व्यरो(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के आदिवासी बहुल ग्रामों में समग्र विकास की दिशा में एक विशेष पहल करते हुए केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान (धरती-आबा) के अंतर्गत 15 जून से 30 जून 2025 तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जिले के पाँचों विकासखंडों के कुल 308 ग्रामों में ये शिविर लगाए जाएंगे। जिनके माध्यम से केंद्र सरकार के 18 मंत्रालयों की 25 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों को प्रदान किया जाएगा।

विकासखंडवार चयनित ग्रामों में महासमुंद के 25, बागबाहरा के 33, पिथौरा के 210, बसना के 24 और सरायपाली के 16 ग्राम शामिल हैं। शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, जाति और निवास प्रमाण पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन खाता, स्वास्थ्य और जीवन बीमा, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन जैसी योजनाओं के लाभ प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, मोबाइल

मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास, हर घर नल से स्वच्छ जल, पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पहुँचाई जाएंगी।

जिले के तीन विकासखंडों के 77 चिन्हांकित ग्रामों में निवासरत लगभग 3271 कमार जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब तक 3192 आधार कार्ड, 2752 आयुष्मान कार्ड, 3271 राशन कार्ड, 2484 जाति प्रमाण पत्र और 2556 बैंक खाते बनाए जा चुके हैं।

विकासखंड महासमुंद के पीवीटीजी ग्राम धनसुली एवं विकासखंड बागबाहरा के ग्राम जोरातराई में दो बहुद्देशीय केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है, जो अब पूर्णता की ओर हैं। वहीं, विकासखंड पिथौरा के ग्राम भिथिडीह में एक नए आंगनवाड़ी केंद्र की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसका संचालन जून माह से प्रारंभ किया जा रहा है।कुल 77 ग्रामों में से 26 ग्राम ऐसे थे, जहाँ पहुंच मार्ग उपलब्ध नहीं था। इन ग्रामों का चिन्हांकन कर ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिनमें से 4 ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुका है।

इसके अतिरिक्त, 62 ग्रामों के 330 परिवारों की पहचान की गई, जिनके पास बिजली कनेक्शन नहीं था। इन सभी परिवारों को अब बिजली कनेक्शन प्रदान कर दिया गया है। साथ ही, सभी परिवारों को नल कनेक्शन से जोड़ने का कार्य भी प्रगति पर है। जिला एवं विकासखंड स्तर पर समितियाँ गठित कर निगरानी की जा रही है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह स्वयं समीक्षा कर रहे हैं। आदिवासी विकास विभाग इन योजनाओं के लिए नोडल विभाग नियुक्त किया गया है, और इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं। यह अभियान आदिवासी समुदायों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

यूरेशियन ओटर की रिकॉर्डिंग उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में

गरियाबंद (समय दर्शन)। जीवों के फूड चेन में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले यूरेशियन ऊदबिलाव (यूरेशियन ओटर) की रिकॉर्डिंग छत्तीसगढ़ के उदंती सीतानदी टाइगर पार्क में पहली रिकॉर्डिंग कैमरा ट्रैप के माध्यम से किए जाने में सफलता प्राप्त हुई है। छत्तीसगढ़ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ)सुधीर अग्रवाल की अनुमति,छत्तीसगढ़ जैव विविधता बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी राजेश चंदेले एवं पीसीसीएफ अरुण पाण्डेय (विकास / योजना) के सहयोग एवं मार्गदर्शन तथा उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के निदेशक वरुण जैन के साथ रहकर गाइडेंस से ऊदबिलाव के रहवास और संरक्षण पर अध्ययन कर रहे स्वयंसेवी संगठन छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा को यह सफलता प्राप्त हुई है।ज्ञात हो कि पिछले 3 वर्षों से विज्ञान सभा,छत्तीसगढ़ जैव विविधता बोर्ड के ओटर अध्ययन प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। इस से पूर्व मरवाही और कोरबा मे भी उक्त जीव की रिकॉर्डिंग विज्ञान सभा द्वारा रिकॉर्ड की गयी है और इसके संरक्षण हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे है।छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की टीम ने उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर,डीएफओ वरुण जैन के मार्गदर्शन में रिजर्व क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए और सफलतापूर्वक ओटर की रिकॉर्डिंग की।इस महत्वपूर्ण कार्य में वन विभाग का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वन विभाग के महत्वपूर्ण सहयोग के बिना यह कार्य

असंभव था।उनकी सक्रिय भागीदारी और समर्थन ने इस परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से डीएफओ वरुण जैन और उनकी टीम के सदस्यों द्वारा बाघों के साथ साथ ऊदबिलाव और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के लिए बहुत अच्छा काम किया जा रहा है।उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में उदबीलाओ (यूरेशियन ओटर) के सर्वेक्षण के लिए छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की टीम में जूलॉजिस्ट एवं प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर निधि सिंह के साथसाथ बॉटनिस्ट दिनेश कुमार, जनविज्ञानी विश्वास मेश्राम,एनवायरनमेंट साइंटिस्ट डॉ वाय के सोना,प्राचार्य फ्रैंक अगस्टिन नंद,पक्षी विज्ञानी सर्वज्ञा सिंह और सुमित सिंह शामिल रहे जबकि वन विभाग से डीएफओ वरुण जैन के साथ साथ एसीएफजगदीश दर्रो एवं राजेंद्र सोरी,रेंज ऑफिसर ठाकुर,उप वन परिक्षेत्र अधिकारी नाग का उल्लेखनीय योगदान रहा है।इस उपलब्धि के बारे में डीएफओ वरुण जैन ने बताया कि प्राकृतिक रहवास में उदबिलाव की यह लाइव रिकॉर्डिंग न सिर्फ छत्तीसगढ़ के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उद बिलाव की उपस्थिति किसी भी जंगल के जैव विविधता की मजबूती का मजबूत प्रमाण होता है।उदबिलाव की यह उपस्थिति उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व और छत्तीसगढ़ दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वन्यजीवों की एक फूड सीरीज की उपस्थिति और आवास के बारे में प्रमाणिक जानकारी प्रदान करती है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की मांग एवं समस्याएं

प्राप्त आवेदनों का संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण के लिए दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के आमजनों की मांग, शिकायतों एवं समस्याओं को सुना और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को त्वरित कार्यवाही करते हुए समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में कुल 82 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम खोखसा निवासी श्रीमती अकतबाई द्वारा पर्ची में नाम जोड़ने, ग्राम पुटपुरा निवासी श्री संतराम सूर्यवंशी द्वारा ऋण माफ करने, तहसील पामगढ़ के ग्राम डुड़गा निवासी श्री मुकेश कुमार रात्रे द्वारा पीएम आवास योजना की राशि दिलाने, तहसील बलौदा के ग्राम बुड़गहन निवासी श्री महेत्तर कैवर्त द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत लोन दिलाने, ग्राम खिसोरा निवासी श्री द्वारिका प्रसाद द्वारा सीमांकन करवाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री महोबे ने प्राप्त सभी आवेदनों का संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के 17 गांव धरती आबा के लिए प्रारंभिक चयनित, धरती आबा अभियान

धरती आबा अभियान आदिवासी क्षेत्रों में पहुंचाएं जायेंगे सभी सरकारी लाभ15 जून से 30 जून तक विशेष शिविरों का होगा आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जानकारी दी है कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर 15 जून से 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य देश भर के आदिवासी क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और व्यक्तिगत लाभों की पूर्ण पहुंच सुनिश्चित करना है जिन गांवों में 50 फीसदी या 500 से ऊपर आदिवासी आबादी है वो धरती आबा के लिए चयन किए गए हैं। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ऐसे 17 गांवों का प्रारंभिक चयन सूची अनुसार 'गैप आइडेंटिफिक्रेशन' का कार्य कराया गया है। डॉ. संजय कन्नौजे ने जानकारी दी है कि अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी है।

शिविरों में मिलेंगे ये लाभ

कलेक्टर ने बताया कि संतृप्ति मोड़ में हर विभाग द्वारा पात्रता अनुसार सर्वे कराया गया है तथा 15 जून से 30 जून तक चलने वाले शिविर में शासन के निर्देश पर

वयोवृद्ध कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री जनधन खाता, जीवन बीमा, वृद्धावस्था / विधवा / दिव्यांग पेंशन, मनरेगा, मुद्रा लोन, पी.एम. विश्वकर्मा योजना, मातृ एवं शिशु कल्याण हेतु टीकाकरण, आंगनबाडी लाभ आदि सेवाएं दी जायेंगी।

विभागीय समन्वय और डिजिटल सेवाएं

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में स्वास्थ्य, खाद्य, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, कृषि, राजस्व, पंचायत और अन्य विभागों का समन्वय किया गया है। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से आधार, ई-केवायसी और दस्तावेजीकरण की सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

जन सहभागिता और निगरानी व्यवस्था

विभाग के समन्वय एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्थानीय स्वयं सेवकों की मदद से लाभार्थियों की पहचान और जागरूकता फेलाई जा रही है। घर-घर संतृप्ति कार्ड तथा व्यापक प्रचार प्रसार कराया जा रहा है सभी शिविरों की निगरानी के लिए एक विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित की गई है जिससे लाभार्थियों की वास्तविक समय में जानकारी एकत्र की जायेगी। कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से अपिल की है कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। यह अभियान भारत को सशक्त और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

17 चयन गांव :- जामपाली, खर्री, खम्हारडीह, अमलीडीपा, सोनबाला, झिकिपाली, परधियापाली, सालिहा, दयालपुर, भोगाडीह ,गरडीह, पिरदा, खुरदरहा, बाघमल्ला, बोदाडीह, चारपाली, तेंदू दरहा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27